द समर न्यूज़

समर एक्सप्रेस

www.summerexpress.in

सूर्योदय सुबह 5:25 बजे
सूर्यास्त शाम 7:23 बजे

R.N.I NO. CHMUL/25/A1155

• साल-1 • अंक-265 • पृष्ठ-8 • मूल्य-5 रूपये • रविवार 31 मई 2026 • चंडीगढ़ • पंजाब • हरियाणा • हिमाचल • ग्रुप एडिटर : अर्शदीप सिंह समर

न्यूज ब्रीफ

सीसीआईः पहले अध्यक्ष धनेंद्र कुमार का निधन

नई दिल्ली| भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के पहले अध्यक्ष और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी धनेंद्र कुमार का निधन हो गया। उन्होंने अपने कार्यकाल में प्रतिस्पर्धा कानून को मजबूत करने और देश में निष्पक्ष बाजार व्यवस्था स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई थी। उनके नेतृत्व में सीसीआई को शुरुआती ढांचे और दिशा मिली, जिसने बाद में भारतीय कॉरपोरेट रेगुलेशन प्रणाली को मजबूत आधार दिया।

अजय कोचर बने नौसेना के नए वाइस चीफ होंगे

नई दिल्ली| भारतीय नौसेना में बड़ा बदलाव करते हुए वाइस एडमिरल अजय कोचर को नया वाइस चीफ ऑफ नेवल स्टाफ नियुक्त किया गया है। वे अब नौसेना के संचालन और रणनीतिक योजनाओं में शीर्ष स्तर पर जिम्मेदारी निभाएंगे। उनकी नियुक्ति से नौसेना की कमांड संरचना और मजबूत होने की उम्मीद है। अजय कोचर का लंबा नौसैनिक अनुभव और विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्यकाल उन्हें इस जिम्मेदारी के लिए उपयुक्त बनाता है।

आईपीएलः आरसीबी व गुजरात में मुकाबला आज

अहमदाबाद| आईपीएल 2026 के फाइनल की दोनों टीमें तय हो चुकी हैं। 31 मई को अहमदाबाद में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटंस के बीच खिताबी मुकाबला होगा। दोनों टीमों को दूसरे टाइटल का इंतजार है। बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार ने बेंगलुरु को लगातार दूसरी बार फाइनल में पहुंचाया। उन्होंने क्वालिफायर-1 में गुजरात के खिलाफ नाबाद 93 रन की पारी खेलकर बेंगलुरु को जीत दिलाई।

सिटीजन रिपोर्टर

अब आप भी बन सकते हैं समर एक्सप्रेस के सिटीजन रिपोर्टर। अपने इलाके की कोई भी समस्या, आयोजन, जानकारी या खबर हमें भेजें। आपके नाम के साथ प्रकाशित की जाएगी। अपनी खबर इस फोन नंबर 7986630191 या ईमेल infosummerexpress@gmail.com पर भेजें।

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

If you want to publish your advertisement on our newspaper

समर एक्सप्रेस

CONTACT:
+91 6283 860 059

मौसम का कहरः अमृतसर में आंधी से पेड़ गिरे, 6 जिलों में घने कोहरे का अलर्ट जारी

चंडीगढ़-पठानकोट में ओले, तेज बारिश व आंधी से गिरा तापमान

फोटोः लक्की भट्टी

समर न्यूज़। चंडीगढ़

पंजाब और आसपास के क्षेत्रों में शनिवार सुबह मौसम ने अचानक करवट ले ली। चंडीगढ़ और पठानकोट में तेज ओलावृष्टि हुई, जिससे सड़कों पर सफेद परत जम गई और वाहनों की रफ्तार थम गई। वहीं मोहाली, जालंधर और लुधियाना में तेज बारिश ने जनजीवन को प्रभावित किया। अमृतसर में तेज आंधी के कारण कई स्थानों पर पेड़ों की टहनियां टूटकर गिर गईं। कुछ जगहों पर बिजली आपूर्ति भी बाधित हुई, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय प्रशासन और नगर निगम की टीमें देर रात तक सड़कों से मलबा हटाने में जुटी रहीं। ओलावृष्टि और बारिश के कारण खेतों में खड़ी गेहूं, सरसों और सब्जियों की फसलों को नुकसान की आशंका जताई जा रही है। किसान संगठनों ने सरकार से तुरंत सर्वे कर मुआवजे की मांग की है। कई इलाकों में खेतों में पानी भरने की स्थिति भी देखी गई। विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह के अचानक मौसम परिवर्तन से फसल चक्र प्रभावित हो सकता है, खासकर उस समय जब फसलें कटाई के करीब होती हैं।

▪ 6 जिलों में बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने पंजाब के 6 जिलों में अगले 24 से 48 घंटों तक घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है। विभाग ने लोगों को सुबह और रात के समय यात्रा में विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है, क्योंकि दृश्यता काफी कम रह सकती है। इसके साथ ही तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है, जिससे ठंडक फिर से बढ़ गई है। विशेषज्ञों के अनुसार, पिश्चमी विक्षोभ से बदला मौसम परिवर्तन देखने को मिला है।

▪ 6 प्रशासन अलर्ट मोड में

स्थानीय प्रशासन ने आपदा प्रबंधन टीमों को सक्रिय कर दिया है। बिजली विभाग को भी अलर्ट पर रखा गया है ताकि किसी भी तरह की लाइन फॉल्ट या पेड़ गिरने की स्थिति में तुरंत सुधार किया जा सके। नगर निकायों को निर्देश दिए गए हैं कि वे सड़कों से गिरे पेड़ों और मलबे को जल्द से जल्द हटाएं ताकि यातायात सुचारू रह सके।

▪ आगे का अनुमान

मौसम विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले दिनों में हल्की बारिश और कोहरे का असर जारी रह सकता है। हालांकि कुछ इलाकों में मौसम साफ होने की भी संभावना है, लेकिन तापमान में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। फिलहाल पूरे पंजाब में मौसम के इस बदले मिजाज ने लोगों की दिनचर्या और कृषि गतिविधियों दोनों को प्रभावित किया है, जिससे स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

एनडीए की पासिंग आउट परेड में 355 नए अफसर

आर्मी चीफ ने कहा- उकसावे पर भारत की प्रतिक्रिया का पैमाना अनुशासन

एजेंसी। खड़कवासला

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) की 150वीं पासिंग आउट परेड में शनिवार को 355 कैडेट्स ने प्रशिक्षण पूरा कर भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना में अधिकारी के रूप में कदम रखा। यह समारोह पुणे के खड़कवासला स्थित एनडीए कैंपस में भव्य रूप से आयोजित किया गया, जहां परेड ने सैन्य अनुशासन, परंपरा और गौरव का शानदार प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर थल सेना प्रमुख (आर्मी चीफ) ने मुख्य अतिथि के रूप में कैडेट्स को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत की सैन्य शक्ति केवल हथियारों पर नहीं, बल्कि अनुशासन, नैतिकता और संतुलित प्रतिक्रिया पर आधारित है। उन्होंने कहा कि किसी भी उकसावे की स्थिति में भारत की प्रतिक्रिया का पैमाना हमेशा संयम और रणनीतिक सोच होता है।

▪ 3 सेवाओं में बंटे नए अफसर... *पासिंग आउट कैडेट्स में से अधिकारी भारतीय थल सेना, नौसेना और वायुसेना में शामिल हुए हैं। प्रशिक्षण के दौरान इन कैडेट्स को कठिन शारीरिक, मानसिक और रणनीतिक प्रशिक्षण से गुजरना पड़ा, जिसमें नेतृत्व क्षमता, युद्ध रणनीति और आपदा प्रबंधन जैसे विषय शामिल थे।*

▪ सैन्य परंपरा और आधुनिक चुनौतियां... *आर्मी चीफ ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि बदलते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य में युवा अधिकारियों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। साइबर युद्ध, ड्रोन तकनीक और हाइब्रिड युद्ध जैसे नए खतरे सामने आ रहे हैं, जिनसे निपटने के लिए आधुनिक सोच और तकनीकी समझ जरूरी है।*

▪ एक नई जिम्मेदारी की शुरुआत... *परेड के अंत में कैडेट्स ने देश की रक्षा और संविधान की रक्षा की शपथ ली। परिवारों और प्रशिक्षकों की मौजूदगी में यह क्षण भावुक और गर्व से भरा रहा। अब ये नए अधिकारी विभिन्न सैन्य इकाइयों में अपनी जिम्मेदारियां संभालेंगे और देश की सुरक्षा में योगदान देंगे। यह 150वीं पासिंग आउट परेड एनडीए के गौरवशाली इतिहास में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ती है।*

पंजाबः ठेकेदारी सिस्टम को खत्म करने की तैयारी

समर न्यूज़। चंडीगढ़

पंजाब सरकार ने सरकारी विभागों में लंबे समय से लागू ठेकेदारी व्यवस्था को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। हाल ही में हुई कैबिनेट बैठक में इस संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया, जिसे राज्य के हजारों कच्चे और संविदा कर्मचारियों के लिए राहत भरा माना जा रहा है।

नई व्यवस्था का उद्देश्य कर्मचारियों को अधिक स्थिर रोजगार वातावरण उपलब्ध कराना और आउटसोर्सिंग आधारित नियुक्तियों पर निर्भरता कम करना है। सरकार का मानना है कि ठेकेदारी प्रणाली के कारण कर्मचारियों को वेतन, सेवा सुरक्षा और अन्य सुविधाओं से जुड़े कई प्रकार के मुद्दों का सामना करना पड़ता है। कैबिनेट के फैसले के बाद विभिन्न कर्मचारी संगठनों ने इसे सकारात्मक कदम बताया है। उनका कहना है कि वर्षों से ठेके पर काम कर रहे कर्मचारियों को अब बेहतर सेवा शर्तों और भविष्य की सुरक्षा की उम्मीद जगी है।

सरकार ने अभी विस्तृत नीति सार्वजनिक नहीं की है, लेकिन संकेत हैं कि विभिन्न विभागों में कार्यरत कर्मचारियों के लिए एक समान और पारदर्शी व्यवस्था तैयार की जाएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इस फैसले का प्रभाव केवल कर्मचारियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि राज्य के प्रशासनिक ढांचे और वित्तीय प्रबंधन पर भी पड़ेगा।

लॉटरी वीजा से ऑस्ट्रेलिया जाने का मौका, 1500 रु. में पंजीकरण

नया अवसरः चयन पर 1 साल काम और यात्रा की सुविधा

समर न्यूज़। चंडीगढ़

विदेश में काम और घूमने का सपना देखने वाले युवाओं के लिए ऑस्ट्रेलिया की लॉटरी वीजा स्कीम आकर्षण का केंद्र बनी। पंजाब के युवाओं के लिए ऑस्ट्रेलिया जाने का एक नया अवसर सामने आया है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, वर्क एंड ट्रैवल लॉटरी वीजा स्कीम के तहत उम्मीदवार मात्र 1500 के रजिस्ट्रेशन शुल्क पर आवेदन कर सकते हैं। इस योजना का उद्देश्य युवाओं को सीमित अवधि के लिए ऑस्ट्रेलिया में काम करने और घूमने का अवसर देना बताया जा रहा है। इस स्कीम में चयनित उम्मीदवारों को लगभग 1 वर्ष तक ऑस्ट्रेलिया में रहने, यात्रा करने और अस्थायी रोजगार करने की अनुमति मिलती है। इस दौरान वे विभिन्न सेक्टर्स जैसे हॉस्पिटैलिटी, फार्मिंग और सर्विस इंडस्ट्री में काम कर सकते हैं।

लॉटरी सिस्टम के तहत उम्मीदवारों का चयन रैंडम तरीके से किया जाता है। आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद योग्य आवेदकों की सूची तैयार की जाती है और फिर चयनित उम्मीदवारों को आगे की वीजा प्रक्रिया के लिए बुलाया जाता है। अधिकारियों के अनुसार, यह वीजा स्कीम उन देशों के साथ चलती है जिनके बीच वर्क एंड ट्रैवल एग्रीमेंट होता है। भारत से बड़ी संख्या में युवा इस तरह के अवसरों के लिए आवेदन कर रहे हैं, खासकर पंजाब और हरियाणा से।

विदेश में बेहतर रोजगार और अनुभव पाने की चाह रखने वाले युवाओं में इस स्कीम को लेकर काफी उत्साह देखा जा रहा है। एजुकेशन कंसल्टेंट्स के अनुसार, यह अवसर खासकर उन युवाओं के लिए उपयोगी है जो कम लागत में अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्राप्त करना चाहते हैं। विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि उम्मीदवार केवल आधिकारिक और मान्यता प्राप्त पोर्टल के माध्यम से ही आवेदन करें। कई बार फर्जी एजेंट इस तरह की स्कीम के नाम पर धोखाधड़ी भी कर सकते हैं।

शिवालिक रेंज मामला एनजीटी तक पहुंचा, प्रशासनिक निर्णयों पर हितों के टकराव के आरोप

पंजाब के चीफ सेक्रेटरी विवादों में, बेटे के नाम जमीन व पॉलिसी बदलाव पर सवाल

समर न्यूज़। चंडीगढ़

पंजाब के चीफ सेक्रेटरी एक बार फिर विवादों के केंद्र में आ गए हैं। आरोप है कि शिवालिक रेंज क्षेत्र से जुड़े एक भूमि मामले में उनके बेटे के नाम पर जमीन होने के बाद उसी क्षेत्र से संबंधित एक नीति में बदलाव किया गया, जिससे कथित तौर पर निजी लाभ की स्थिति बनी। यह मामला अब राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) तक पहुंच गया है।

सूत्रों के अनुसार, शिवालिक क्षेत्र में भूमि उपयोग और विकास से जुड़ी नीति में हाल ही में कुछ संशोधन किए गए थे। इन संशोधनों के बाद यह आरोप सामने आए कि इससे विशेष रूप से कुछ निजी हितों को लाभ मिल सकता है। विपक्षी दलों और सामाजिक संगठनों ने इस पर पारदर्शिता की मांग की है।

▪ एनजीटी में पहुंचा मामला... पर्यावरण और भूमि उपयोग से जुड़े इस विवाद को लेकर शिकायत एनजीटी में दर्ज कराई गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि शिवालिक रेंज जैसे संवेदनशील पारिस्थितिक क्षेत्र में नीति बदलाव से पर्यावरणीय संतुलन प्रभावित हो सकता है। साथ ही यह भी कहा गया है कि निर्णय प्रक्रिया में हितों के टकराव की जांच होनी चाहिए।

▪ प्रशासन की ओर से क्या कहा गया... प्रशासनिक स्तर पर फिलहाल इन आरोपों पर आधिकारिक प्रतिक्रिया सीमित है। हालांकि सूत्रों का कहना है कि सभी निर्णय नियमों और प्रक्रिया के अनुसार लिए गए हैं। अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया है कि किसी भी नीति बदलाव का उद्देश्य विकास और नियामक सुधार से जुड़ा होता है।

▪ राजनीतिक प्रतिक्रिया... मामले के सामने आने के बाद राजनीतिक हलकों में बहस तेज हो गई है। विपक्ष ने इस मुद्दे पर सरकार से स्पष्टीकरण की मांग की है। वहीं पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने शिवालिक क्षेत्र की संवेदनशीलता को देखते हुए किसी भी तरह के व्यावसायिक उपयोग पर सख्त निगरानी की मांग की है।

▪ आगे की स्थिति... एनजीटी में मामले की सुनवाई के बाद ही स्थिति और स्पष्ट होगी। फिलहाल यह मामला प्रशासनिक पारदर्शिता और पर्यावरणीय संरक्षण दोनों को लेकर चर्चा का विषय बना हुआ है।

एशियन गेम्स ट्रायल, विनेश फोगाट सेमीफाइनल में हारीं

समर न्यूज़। पानीपत

ओलिंपियन रेसलर विनेश फोगाट शनिवार को एशियन गेम्स ट्रायल का सेमीफाइनल मैच हार गईं। 53 किलो कैटेगरी में लगातार दो बाउट जीतने के बाद उन्हें जींद की मीनाक्षी गोयत ने हराया। मीनाक्षी ने पिछले महीने सीनियर एशियन चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीता था।

रेलसिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ने एंटी-डोपिंग नियमों का हवाला देते हुए फोगाट को 26 जून 2026 तक घरेलू प्रतियोगिताओं में भाग लेने पर बैन लगा दिया था।

विनेश ने इसके खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी, जिसने डिवीजन बेंच ने विनेश के पक्ष में फैसला सुनाया था। डब्ल्यूएफआई ने फोगाट का ट्रायल रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट में अर्जी लगाई थी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- विनेश शानदार रेसलर हैं, आपने देश को गर्व महसूस कराया है। फिलहाल आपको एशियन गेम्स 2026 के चयन ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दी जाती है। मामले की सुनवाई जारी रहेगी और नियमों से जुड़े पहलुओं पर विस्तार से विचार किया जाएगा।

विनेश का मैच 2 बार रुकाः मीनाक्षी से पहले विनेश का मुकाबला नीशू से हुआ। शुरूआत में नीशू ने विनेश को पटखनी देकर पांच पॉइंट हासिल किए। इसके बाद विनेश ने चार पॉइंट बटोरे। इस दौरान रेफरी से विनेश और उनके पति सोमबीर राठी की कहासुनी हो गई। आपत्ति के बाद मैच थोड़ी देर के लिए रोका गया। अध्यक्ष संजय सिंह भी मैट पर पहुंच गए। रेफरी ने विनेश को 7-6 से विजेता घोषित किया। नीशू ने विनेश से हाथ तक नहीं मिलाया। ट्रायल के दौरान विनेश फोगाट को पहले 50 किलोग्राम वर्ग में खेलने को कहा गया, जिस पर उन्होंने विरोध जताया।

पेज 1 एंकर स्टोरी

पहाड़ी मार्गों पर हाई अलर्ट, सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाने की तैयारी

अमरनाथ यात्रा में रिकॉर्ड सुरक्षाः 80 हजार जवान तैनात, पांच लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना

एजेंसी | जम्मू

आगामी अमरनाथ यात्रा को लेकर सुरक्षा एजेंसियों ने अभूतपूर्व तैयारियां शुरू कर दी हैं। खुफिया इनपुट और पिछले वर्षों के अनुभव को देखते हुए इस बार करीब 80 हजार सुरक्षाबलों की तैनाती की योजना बनाई गई है।

इनमें केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल, जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की संयुक्त टीमें शामिल होंगी। यात्रा मार्ग-पहलगाम और बालटाल दोनों रूटों- पर बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की जाएगी। संवेदनशील इलाकों में चौकियां, ड्रोन निगरानी, सीसीटीवी और रियल-टाइम ट्रैकिंग सिस्टम तैनात होंगे। इस बार सुरक्षा ढांचा पहले से कहीं अधिक मजबूत और तकनीक आधारित होगा।

प्रशासन की बड़ी चुनौतीः भीड़ और मौसम

विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार की सबसे बड़ी चुनौती भीड़ प्रबंधन और खराब मौसम की स्थिति रहेगी। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में अचानक बर्फबारी और भूस्खलन जैसी स्थितियां यात्रा को प्रभावित कर सकती हैं। ऐसे में आपदा प्रबंधन टीमों को भी अलर्ट पर रखा गया है। सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि आतंकवादी खतरे को देखते हुए संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त तैनाती की गई है। इसके अलावा, यात्रा मार्ग पर लगातार पेट्रोलिंग और एंटी-सैबोटाज चेकिंग की जाएगी।

श्रद्धालुओं की संख्या में बड़ा उछाल

प्रारंभिक अनुमान के अनुसार इस वर्ष अमरनाथ यात्रा में करीब 5 लाख श्रद्धालु शामिल हो सकते हैं। पिछले वर्षों की तुलना में यह संख्या अधिक है, जिससे प्रशासन पर लॉजिस्टिक्स, स्वास्थ्य सुविधाओं और भीड़ प्रबंधन की अतिरिक्त जिम्मेदारी बढ़ गई है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मेडिकल कैंप, ऑक्सीजन बूथ, आपातकालीन रेस्क्यू टीमें और बेस कैंप पर अतिरिक्त व्यवस्था की जा रही है। मौसम की अनिश्चितता को देखते हुए मौसम विभाग के साथ भी लगातार समन्वय किया जा रहा है।

श्रद्धालुओं के लिए विशेष अपील

प्रशासन ने श्रद्धालुओं से निर्धारित मार्गों का पालन करने, पंजीकरण अनिवार्य रूप से कराने और मौसम की जानकारी लेकर ही यात्रा शुरू करने की अपील की है। अधिकारियों का कहना है कि सुरक्षित और व्यवस्थित यात्रा सुनिश्चित करना इस बार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस व्यापक सुरक्षा व्यवस्था के साथ अमरनाथ यात्रा को न केवल सुरक्षित बनाने की कोशिश की जा रही है, बल्कि इसे और अधिक सुगम और तकनीक-सक्षम भी बनाया जा रहा है।

आज डीआरडीओ करेगा हाईपावर बम परीक्षण

पंचकूला में अलर्ट, सुरक्षा कारणों से सीमित क्षेत्र में आवाजाही पर रोक

समर न्यूज़। पंचकूला

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) 31 मई को हरियाणा के पंचकूला स्थित एक निर्धारित परीक्षण स्थल पर हाई-पावर बम का परीक्षण करेगा। इस दौरान सुरक्षा और सावधानी के मद्देनजर आसपास के क्षेत्रों में अलर्ट जारी कर दिया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि परीक्षण पूरी तरह नियंत्रित और सुरक्षित वातावरण में किया जाएगा।

परीक्षण के दौरान किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से बचने के लिए स्थानीय प्रशासन, पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को तैनात किया गया है। संवेदनशील क्षेत्रों में आम लोगों की आवाजाही पर अस्थायी रोक भी लगाई गई है। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करें।

▪ सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी बढ़ाई गई...

डीआरडीओ और स्थानीय प्रशासन ने प्रस्तावित परीक्षण को सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए संयुक्त सुरक्षा योजना तैयार की है। इस योजना के तहत परीक्षण स्थल और उसके आसपास के संवेदनशील क्षेत्रों में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है। लोगों की आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए कई स्थानों पर बैरिकेडिंग की गई है तथा निगरानी बढ़ाने हेतु अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। सुरक्षा एजेंसियां लगातार क्षेत्र पर नजर रख रही हैं ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते रोका जा सके। इसके अलावा, आपात परिस्थितियों से निपटने के लिए मेडिकल टीमों, एंबुलेंस सेवाओं और फायर सेफ्टी कर्मियों को भी पूरी तरह अलर्ट रखा गया है।

▪ स्थानीय लोगों के लिए एडवाइजरी...

प्रशासन ने आसपास के गांवों और आवासीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को निर्धारित दूरी के भीतर न जाने की सलाह दी है। साथ ही, परीक्षण के दौरान संभावित तेज आवाज और कंपन को लेकर पहले ही सूचना जारी कर दी गई है ताकि लोग घबराएं नहीं। विशेषज्ञों के अनुसार, इस तरह के परीक्षण आधुनिक रक्षा प्रणाली के विकास का हिस्सा होते हैं, जिनका उद्देश्य हथियारों की क्षमता और सुरक्षा मानकों का मूल्यांकन करना होता है। पूरे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और सभी संबंधित एजेंसियां समन्वय में काम कर रही हैं। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि परीक्षण पूरी तरह नियंत्रित परिस्थितियों में किया जाएगा और आम जनता की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।

कैप्टन ने ढिल्लों को अध्यक्ष बनाने पर उठाए सवाल

पूर्व मुख्यमंत्री व वरिष्ठ भाजपा नेता ने जाखड़ व शर्मा को हटाने के फैसले को भी बताया गलत

समर न्यूज | चंडीगढ़

पंजाब की सियासत में एक बार फिर बयानबाजी तेज हो गई है। पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने भाजपा द्वारा ढिल्लों को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने के फैसले का खुलकर विरोध किया है। उन्होंने कहा कि संगठन के शीर्ष पद पर ऐसे व्यक्ति को बैठाना उचित नहीं है, जिसकी क्षमता और अनुभव पर सवाल उठते हैं।

कैप्टन ने यह भी कहा कि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी शर्मा और केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह जाखड़ को पद से हटाने का फैसला भी सही नहीं था। उनके अनुसार, ऐसे बदलावों से पार्टी संगठन की स्थिरता प्रभावित होती है और कार्यकर्ताओं का मनोबल कमजोर होता है। उन्होंने टिप्पणी करते हुए यह भी कहा कि पहले कांग्रेस में महत्वपूर्ण फैसलों से पहले व्यापक राय ली जाती थी और संगठन के भीतर चर्चा के बाद ही अंतिम निर्णय होता था। लेकिन वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में इस तरह की परंपरा कमजोर पड़ती दिख रही है।

संगठनात्मक फैसलों पर उठे सवालः कैप्टन के बयान को पंजाब भाजपा की आंतरिक राजनीति में असंतोष के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राज्य में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर विभिन्न धड़ों के बीच मतभेद उभरकर सामने आ रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, किसी भी राज्य इकाई में नेतृत्व परिवर्तन केवल संगठनात्मक निर्णय नहीं होता, बल्कि इसका सीधा असर जमीनी कार्यकर्ताओं और आगामी चुनावी रणनीति पर भी पड़ता है। भाजपा संगठन में असंतोष की चर्चा राजनीतिक हलकों में कैप्टन के इस बयान को भाजपा के भीतर चल रही असहमति की एक झलक के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि पार्टी की ओर से इस बयान पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। विशेषज्ञों का कहना है कि पंजाब जैसे राजनीतिक रूप से संवेदनशील राज्य में संगठनात्मक फैसलों में संतुलन बनाए रखना बेहद जरूरी है। किसी भी तरह की आंतरिक असहमति चुनावी रणनीति को प्रभावित कर सकती है।

फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि कैप्टन के बयान का पार्टी पर कितना असर पड़ेगा, लेकिन इतना तय है कि पंजाब की राजनीति में संगठनात्मक बदलावों को लेकर चर्चा और तेज हो गई है। आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर और राजनीतिक प्रतिक्रियाएं सामने आने की संभावना है।

खरड़ की बीएससी नर्सिंग छात्रा ने फंदा लगा दी जान

समर न्यूज | फरीदकोट

फरीदकोट में बाबा फरीद यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज के अधीन हॉस्टल में एक छात्रा ने आत्महत्या कर ली। शनिवार तड़के करीब 2:30 बजे उसने हॉस्टल में फंदा लगा लिया। जब अन्य छात्राओं और स्टाफ को घटना की जानकारी मिली, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है।

मृतका की पहचान खरड़ के शिवजोत एन्क्लेव निवासी अमनप्रीत कौर (22) पुत्री गुरमुख सिंह के रूप में हुई है। अमनप्रीत कौर यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ नर्सिंग में बीएससी नर्सिंग तीसरे सेमेस्टर की छात्रा थी। वह कॉलेज हॉस्टल में रह रही थी। डीएसपी तरलोचन सिंह ने बताया कि फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। उनके फरीदकोट पहुंचने के बाद कानूनी प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

पटियाला में ई-रिक्शा ड्राइवर की हत्या, 4-5 बदमाशों ने घेरकर मारा

- बीच सड़क चाकुओं से गोदा; आरोपी के चंगुल से छुड़ाई थी बंधक युवती

समर न्यूज | पटियाला

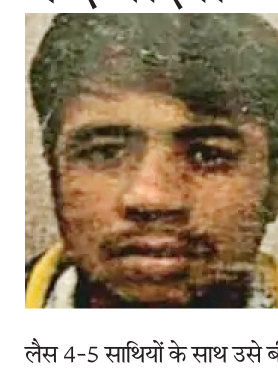

पटियाला के हीरा बाग इलाके में पुरानी रंजिश के चलते एक ई-रिक्शा ड्राइवर की चाकू गोदकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान गांव चौरा निवासी अभिषेक मलिक के रूप में हुई है। पुलिस जांच में सामने आया है कि कुछ समय पहले आरोपी गुरसेव सिंह ने एक युवती को कथित तौर पर घर में बंधक बनाकर रखा था।

उस दौरान अभिषेक ने युवती को उसके चंगुल से छुड़ाने में अहम भूमिका निभाई थी। इसी के बाद से गुरसेव अभिषेक से रंजिश रखने लगा। शुक्रवार रात जब अभिषेक ई-रिक्शा लेकर हीरा बाग इलाके में स्थित बर्फ फैक्ट्री के पास से गुजर रहा था, तभी गुरसेव ने हथियारों से लैस 4-5 साथियों के साथ उसे बीच रास्ते में रोक लिया। इससे पहले कि वह कुछ समझ पाता, हमलावरों ने उस पर चाकुओं से ताबड़तोड़ वार करने शुरू कर दिए। अभिषेक जान बचाने के लिए चीखता रहा। वारदात को अंजाम देकर आरोपी मौके से फरार हो गए।

अस्पताल में तोड़ा दमः लहूलुहान हालत में अभिषेक को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उसे बचाने की पूरी कोशिश की, लेकिन शरीर से अत्यधिक खून बहने और गहरे जख्मों के कारण उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

पुलिस बोली- हत्यारे बख्शे नहीं जाएंगेः वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस बल तुरंत एक्शन में आया। डीएसपी पटियाला-2 जंगजीत सिंह रंधावा ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि मुख्य आरोपी गुरसेव सिंह (निवासी गांव चौरा) और उसके साथियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

आरोपियों की धरपकड़ के लिए पुलिस की अलग-अलग टीमें विभिन्न ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर रही हैं। आरोपियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा और जल्द ही वे सलाखों के पीछे होंगे। पुलिस इस मामले में आरोपियों को पकड़ने के लिए छापे मार रही है। इसके लिए विशेष टीमों को गठन किया गया है।

भाजपा अध्यक्ष केवल ढिल्लों ने ब्यास मुखी से लिया आशीर्वाद

- पंजाब की खुशहाली, अमन-शांति के लिए मार्गदर्शन प्राप्त किया

समर न्यूज | अमृतसर

पंजाब भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने अमृतसर में डेरा ब्यास के मुखी बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों से शिष्टाचार मुलाकात की। उन्होंने बाबा जी का आशीर्वाद प्राप्त किया और पंजाब की खुशहाली, अमन-शांति तथा जनकल्याण के लिए प्रार्थना की।

मुलाकात के दौरान सामाजिक सद्भाव, आध्यात्मिक मूल्यों और समाज सेवा जैसे विषयों पर चर्चा हुई। केवल सिंह ढिल्लों ने कहा कि पंजाब की तरक्की, भाईचारे और विकास के लिए सभी वर्गों को मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लों के समाज को सकारात्मक दिशा देने वाले योगदान की सराहना भी की। केवल सिंह ढिल्लों को हाल ही में भाजपा के शीर्ष नेतृत्व द्वारा पंजाब भाजपा की कमान सौंपी गई है। केवल सिंह ढिल्लों लंबे समय से पंजाब की राजनीति में सक्रिय रहे हैं। मालवा क्षेत्र में उनकी मजबूत पकड़ मानी जाती है और वे जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने के लिए जाने जाते हैं।

जालंधर के आरटीआई एक्टिविस्ट की एलपीयू गेट के सामने गोली मारकर हत्या

- पास में पिस्टल, 2 मोबाइल पड़े मिले, हमलावर फरार

समर न्यूज | जालंधर

जालंधर के चर्चित राइट टू इन्फॉर्मेशन (आरटीआई) एक्टिविस्ट की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हमलावरों ने दिनदहाड़े उन पर अंधाधुंध गोलियां चला दीं। यह जानलेवा हमला लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी (एलपीयू) के लॉ गेट के पास हुआ, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर मौके से भाग गए।

मृतक की पहचान सिमरनजीत सिंह के नाम से हुई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मौके से सामने आई फोटो में सिमरनजीत सिंह के पास एक पिस्टल, दो मोबाइल भी पड़े दिखे।

यूनिवर्सिटी गेट के पास घात लगाकर बैठे थे हमलावरः जानकारी के मुताबिक, जालंधर के आरटीआई कार्यकर्ता सिमरनजीत सिंह किसी काम से फगवाड़ा गए हुए थे। वह एसपीयू के लॉ गेट के पास मौजूद थे। तभी अचानक वहां कुछ अज्ञात युवक पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमलावर पहले से ही घात लगाकर बैठे हुए थे। उन युवकों ने सिमरनजीत सिंह को देखते ही उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी।

ज्यादा खून बहने से अचेत हो गए सिमरनजीत सिंहः फायरिंग की इस अचानक हुई घटना से यूनिवर्सिटी गेट के आसपास मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। जब तक कोई कुछ समझ पाता या सिमरनजीत सिंह को बचाने की कोशिश करता, हमलावर उन्हें लहूलुहान हालत में छोड़कर मौके से रफूचक्कर हो चुके थे। गोली लगने के कारण सिमरनजीत सिंह जमीन पर गिर पड़े और अत्यधिक खून बहने की वजह से वहीं अचेत हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और प्रशासनिक अधिकारी तुरंत हरकत में आए। सिमरनजीत सिंह को आननफानन एम्बुलेंस के जरिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। बताया जा रहा है कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी।

लुक्खे वेब सीरीज विवाद पर बोले योगराज- मेरा क्या कसूर

समर न्यूज | चंडीगढ़

पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह के पिता और अभिनेता योगराज सिंह को महिलाओं पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत मिलने के बाद उन्होंने पहली बार प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि उनके घर में भी मां, बहन और बेटी हैं और वह महिलाओं का सम्मान करते हैं। ये संस्कार उन्हें उनके बुजुर्गों ने सिखाए हैं।

एफआईआर के अनुसार, 8 मई 2026 को रिलीज हुई वेब सीरीज लुखे की एक क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। शिकायतकर्ता एडवोकेट उज्जवल भसीन ने आरोप लगाया कि वीडियो में महिलाओं के लिए बेहद अपमानजनक और अश्लील शब्दों का इस्तेमाल किया गया है, जिससे पूरे समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। मेरी मजाल नहीं है कि मैं स्क्रिप्ट बदल दूं योगराज ने कहा कि इसमें मेरा क्या कसूर है? डायरेक्टर ने स्क्रिप्ट लिखी। मेरी मजाल नहीं है कि मैं उसे बदल दूं। मैंने आगे भी 40 से 50 फिल्में साइन कर रखी हैं। उनकी भी अपनी-अपनी स्क्रिप्ट है। मैं उनके बीच में जाकर नहीं देखता कि स्क्रिप्ट में क्या है। उन्होंने कहा कि अमरीश पुरी भी अच्छे एक्टर थे। क्या उनके निभाए सभी किरदार सच हो गए?

अगर ऐसा होने लगे तो कलाकारों को काम करना छोड़ देना पड़ेगा। मेरा काम परफॉर्म करना है। मुझे नहीं लगा था कि मामला इतना बढ़ जाएगा। योगराज सिंह के वकील पुनीत बलिया ने कहा कि यह ऐसा सिस्टम शुरू हो गया है, जिसमें सेलिब्रिटी के नाम पर पब्लिसिटी लेने की कोशिश की जाती है।

पंजाब के स्कूलों में गर्मी की छुट्टियां

समर न्यूज | चंडीगढ़/मोहाली

पंजाब सरकार ने स्कूलों में गर्मियों की छुट्टियां घोषित कर दी हैं। छुट्टियां 1 जून से लेकर 30 जून तक होंगी। इस संबंधी आदेश जारी कर दिए गए हैं। तेज गर्मी के कारण चंडीगढ़ में पहले ही स्कूल बंद किए जा चुके हैं। गर्मी के मौसम को देखते हुए पंजाब सरकार ने राज्य के सभी समूह सरकारी, एडेड और निजी स्कूलों में छुट्टियां घोषित कर दी हैं। शिक्षा विभाग की सचिव सोनाली गिरी की ओर से इस संबंध में आदेश जारी किए गए हैं। आदेश की प्रतियां संबंधित विभागों और अधिकारियों को भेज दी गई हैं।

3 जून को शपथ ले सकते हैं डीके शिवकुमार

10 मंत्रियों के भी साथ लेने की चर्चा, कैबिनेट गठन पर दिल्ली में मंथन जारी

- सिद्धारमैया के इस्तीफे के बाद कर्नाटक में सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया तेज

एजेंसी | बेंगलुरु

कर्नाटक की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और वर्तमान उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार 3 जून को राज्य के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले सकते हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार उनके साथ पहली सूची में 8 से 10 मंत्रियों के भी शपथ लेने की संभावना है। हालांकि अंतिम फैसला कांग्रेस हाईकमान और विधायक दल की औपचारिक बैठक के बाद होगा।

सिद्धारमैया के पद छोड़ने के बाद कांग्रेस ने नेतृत्व परिवर्तन की प्रक्रिया तेज कर दी है। शनिवार को बेंगलुरु में कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की बैठक बुलाई गई है, जिसमें डीके शिवकुमार को विधायक दल का नेता चुने जाने की संभावना जताई जा रही है। इसके बाद राज्यपाल के समक्ष सरकार बनाने का दावा पेश किया जा सकता है।

सूत्रों के मुताबिक, नई सरकार में क्षेत्रीय और जातीय संतुलन बनाए रखने पर विशेष जोर रहेगा। इसी वजह से मंत्रिमंडल गठन को लेकर दिल्ली और बेंगलुरु के बीच लगातार बैठकों का दौर चल रहा है। कांग्रेस नेतृत्व पुराने और नए चेहरों के बीच संतुलन बनाकर संदेश देना चाहता है कि संगठन और सरकार दोनों को साथ लेकर चला जाएगा। कांग्रेस के भीतर लंबे समय से नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चर्चाएं चल रही थीं। 2023 विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत के बाद से ही सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच सत्ता साझेदारी को लेकर अटकलें लगती रही हैं। अब नेतृत्व परिवर्तन को उसी राजनीतिक समझौते का हिस्सा माना जा रहा है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मुख्यमंत्री बनने के बाद डीके शिवकुमार के सामने सरकार को स्थिर रखने, संगठन को मजबूत करने और आगामी चुनावी चुनौतियों के लिए पार्टी को तैयार करने की बड़ी जिम्मेदारी होगी।

दिल्ली में बड़े आतंकी साजिश का पर्दाफाश, नौ गिरफ्तार

एजेंसी | दिल्ली

दिल्ली में बड़े आतंकी हमले की साजिश को नाकाम करते हुए दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और मुंबई अंडरवर्ल्ड नेटवर्क से जुड़े नौ आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से हथियार और विस्फोटक सामग्री भी बरामद की गई है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपितों को दिल्ली में महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों और सुरक्षा बलों के जवानों को निशाना बनाने का जिम्मा सौंपा गया था। सुरक्षा एजेंसियों को इनपुट मिलने के बाद स्पेशल सेल ने गुप्त अभियान चलाकर पूरे मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया।

शांति सेवा न्याय

सूत्रों के अनुसार गिरफ्तार आरोपित पाकिस्तान स्थित हैंडलरों और अंडरवर्ल्ड नेटवर्क के संपर्क में थे। इनकी गतिविधियों पर लंबे समय से नजर रखी जा रही थी।

जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि आरोपितों ने अब तक किस स्तर तक साजिश को अंजाम देने की तैयारी कर ली थी और इनके नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। इस संबंध में स्पेशल सेल के विशेष पुलिस आयुक्त आज शाम 4 बजे इस मामले की विस्तृत जानकारी देंगे।

भारत को अक्षय ऊर्जा की वैश्विक महाशक्ति बना रही पीएम सूर्य घर योजनाः डॉ. यादव

एजेंसी | भोपाल

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में 'पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना' भारत को अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में एक वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि आत्मनिर्भर ऊर्जा के साथ सशक्त भारत की दिशा में केन्द्र सरकार के बढ़ते कदमों का ही सुपरिणाम है कि आज देश के 40 लाख घरों में रूफटॉप सोलर पैनल स्थापित हो गए हैं। इनमें मध्य प्रदेश के 1 लाख 29 हजार 971 घर शामिल हैं। ये सभी घर-परिवार अब बिजली बिल की चिंता से हमेशा के लिए मुक्त होकर स्वच्छ एवं अक्षय ऊर्जा से रौशन हो रहे हैं। मध्य प्रदेश में स्थापित इन सोलर संयंत्रों से 456 मेगावॉट से अधिक स्वच्छ सौर ऊर्जा का उत्पादन भी हो रहा है। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा संचालित पीएम सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना के नेशनल पोर्टल के अनुसार इस योजना से अब तक प्रदेश के 1 लाख 34 हजार 436 परिवार लाभान्वित हो चुके हैं। प्रदेश के पीएम सूर्य घर योजना हितग्राहियों को अब तक 901.92 करोड़ रुपये की अनुदान (सब्सिडी) राशि रिलीज की जा चुकी है।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग द्वारा प्रदेश में 6 लाख घरों को 'पीएम सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना' के तहत सौर ऊर्जा से रौशन करने का लक्ष्य लिया गया है। लक्ष्य प्राप्ति के लिए तेजी से काम जारी है। विभाग को अब तक 2 लाख 4 हजार 601 आवेदन मिल चुके हैं।

यूपी-बिहार में आंधी-बारिश का कहर, 48 लोगों की मौत

- सहारनपुर में 10 गाड़ियां बहीं, उड़ानों पर भी असर
- मौसम ने मचाई तबाही, कई राज्यों में जनजीवन अस्त-व्यस्त

एजेंसी | लखनऊ/पटना

उत्तर प्रदेश और बिहार में शुक्रवार-शनिवार को आए तेज आंधी-बारिश के कारण अब तक कम से कम 48 लोगों की मौत की खबर है। कई जिलों में पेड़ और दीवारें गिरने से जनहानि हुई, जबकि बिजली आपूर्ति और यातायात व्यवस्था भी बुरी तरह प्रभावित हुई।

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में भारी बारिश के चलते नाले और नदियां उफान पर आ गए, जिससे 10 से अधिक वाहन बहने की सूचना है। प्रशासन और राहत टीमें मौके पर पहुंचकर बचाव कार्य में जुटी हैं। कई गांवों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है।

बिहार में मौसम की मार का असर हवाई यातायात पर भी पड़ा। खराब दृश्यता और तेज हवाओं के कारण 4 उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा, जबकि 18 उड़ानें देरी से संचालित हुईं। पटना व गया एयरपोर्ट पर यात्रियों को घंटों इंतजार करना पड़ा।

यात्रा | गले में माला और आंखों पर चश्मा, पति माइकल बुलोस भी साथ

ट्रंप की बेटी टिफनी ने किया अक्षरधाम व ताजमहल का भ्रमण

एजेंसी | नई दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेटी टिफनी ट्रंप अपने पति माइकल बुलोस के साथ भारत दौरे पर हैं। उन्होंने दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर में दर्शन किए और उसके बाद वह आगरा पहुंचीं, जहां ताजमहल का दीदार किया। आगरा से वह राजस्थान के जैसलमेर के लिए रवाना हो गईं। उनका सादगी भरा अंदाज लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहा है।

मंदिर परिसर में उनका लुक काफी सिंपल नजर आया। गले में फूलों की माला, आंखों पर हल्के रंग का चश्मा और बिना किसी भारी मेकअप के सहज उपस्थिति। दर्शन के दौरान टिफनी शांत भाव से मंदिर परिसर में घूमती दिखीं और उन्होंने पारंपरिक भारतीय वास्तुकला और आध्यात्मिक माहौल को नजदीक से महसूस किया। मंदिर के कर्मचारियों और कुछ श्रद्धालुओं ने उनकी इस यात्रा को बेहद सामान्य और विनम्र बताया। सूत्रों के अनुसार, टिफनी ट्रंप की यह यात्रा भारत की संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं को समझने के उद्देश्य से जुड़ी बताई जा रही है। अक्षरधाम मंदिर अपनी भव्य वास्तुकला और सांस्कृतिक प्रदर्शनों के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है, जहां हर साल लाखों देशी-विदेशी पर्यटक पहुंचते हैं। उनका यह सिंपल लुक और शांत व्यवहार सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो रहा है, जहां लोग उनकी सादगी की सराहना कर रहे हैं।

सुरक्षा के कड़े इंतजामः दर्शन के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। मंदिर प्रशासन ने सामान्य श्रद्धालुओं की तरह ही उनके दर्शन की व्यवस्था की, ताकि माहौल पूरी तरह शांत और व्यवस्थित बना रहे। टिफनी ट्रंप की यह यात्रा सोशल मीडिया पर तेजी से ट्रेंड कर रही है। कई यूजर्स ने उनके सिंपल लुक और भारतीय संस्कृति के प्रति रुचि को सकारात्मक रूप में देखा है। वहीं कुछ लोगों ने इसे भारत-अमेरिका सांस्कृतिक जुड़ाव के रूप में भी देखा है।

सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी बोले- भारत ऑपरेशन सिंदूर 2.0 के लिए तैयार

- फिलहाल स्थिति संघर्ष विराम की, सैन्य सतर्कता और रणनीतिक तैयारी पर जोर, सीमा हालात पर कड़ी नजर

एजेंसी | खड़कवालसा

भारतीय थल सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी ने कहा है कि देश की सेना किसी भी संभावित स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है और यदि आवश्यकता पड़ी तो ऑपरेशन सिंदूर 2.0 जैसी कार्रवाई के लिए भी पूरी क्षमता मौजूद है। उन्होंने यह बयान सुरक्षा हालात और सीमावर्ती क्षेत्रों में जारी सतर्कता के संदर्भ में दिया।

आर्मी चीफ ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में नियंत्रण रेखा और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में संघर्ष विराम की स्थिति बनी हुई है, लेकिन सेना किसी भी तरह की उकसावे वाली कार्रवाई का जवाब देने के लिए हमेशा तैयार रहती है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना की नीति स्पष्ट है शांति को प्राथमिकता, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा से कोई समझौता नहीं।

रणनीतिक तैयारियों पर जोर सेना प्रमुख ने बताया कि बदलते सुरक्षा माहौल में आधुनिक युद्ध तकनीक, ड्रोन निगरानी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइबर सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में लगातार सुधार किया जा रहा है। सेना हर स्थिति के लिए बहुस्तरीय तैयारी रखती है ताकि किसी भी चुनौती का तुरंत और प्रभावी जवाब दिया जा सके। सीमावर्ती क्षेत्रों में सतर्कता सूत्रों के अनुसार सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी और पेट्रोलिंग को और मजबूत किया गया है। ड्रोन और सैटेलाइट आधारित मॉनिटरिंग सिस्टम के जरिए हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की व्यवस्था की गई है। आर्मी चीफ के बयान को सैन्य तैयारियों और रणनीतिक संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

समर प्राइम 3
www.summerexpress.in
31 मई 2026
समर एक्सप्रेस

सदी का सबसे लंबा सूर्यग्रहण, 6 मिनट 23 सेकंड तक दिन में छा जाएगा अंधेरा

2 अगस्त 2027 को दिखेगा दुर्लभ खगोलीय नजारा, वैज्ञानिकों ने बताया - यह 100 वर्षों के सबसे खास सूर्यग्रहणों में शामिल

एजेंसी | नई दिल्ली

आसमान में होने वाली सबसे रोमांचक खगोलीय घटनाओं में से एक अब दुनिया के बेहद करीब है। वैज्ञानिकों के अनुसार 2 अगस्त 2027 को लगने वाला पूर्ण सूर्यग्रहण इस सदी के सबसे लंबे सूर्यग्रहणों में शामिल होगा। इस दौरान कुछ इलाकों में करीब 6 मिनट 23 सेकंड तक दिन में अंधेरा छा जाएगा। विशेषज्ञ इसे सदी का सूर्यग्रहण भी बता रहे हैं।

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा और अंतरराष्ट्रीय खगोलीय संस्थाओं के अनुसार यह पूर्ण सूर्यग्रहण यूरोप, उत्तरी अफ्रीका और मध्य-पूर्व के कई हिस्सों में दिखाई देगा। इसकी सबसे लंबी अवधि मिस्र के लक्सर क्षेत्र के आसपास दर्ज की जाएगी, जहां पूर्ण अंधकार लगभग 6 मिनट 22 से 23 सेकंड तक रहेगा। यह अवधि सामान्य सूर्यग्रहणों की तुलना में काफी अधिक मानी जा रही है।

वैज्ञानिकों के मुताबिक सूर्यग्रहण तब होता है जब चंद्रमा पृथ्वी और सूर्य के बीच आ जाता है और कुछ समय के लिए सूर्य पूरी तरह ढक जाता है। 2027 का यह ग्रहण खास इसलिए भी होगा क्योंकि चंद्रमा उस समय पृथ्वी के अपेक्षाकृत करीब होगा, जबकि पृथ्वी सूर्य से थोड़ी अधिक दूरी पर होगी। इसी कारण सूर्य का पूरा भाग लंबे समय तक ढका रहेगा।

• किन देशों में दिखेगा सबसे शानदार नजारा?

पूर्ण सूर्यग्रहण का रास्ता स्पेन, जिब्राल्टर, मोरक्को, अल्जीरिया, ट्यूनीशिया, लीबिया, मिस्र, सऊदी अरब, यमन और सोमालिया से होकर गुजरेगा। इन देशों में कुछ मिनटों के लिए दिन रात जैसा दिखाई देगा। वहीं भारत समेत एशिया और यूरोप के कई हिस्सों में आंशिक सूर्यग्रहण देखा जा सकेगा। खगोलविदों का कहना है कि मिस्र का लक्सर शहर इस ग्रहण को देखने के लिए दुनिया का सबसे बेहतरीन स्थान माना जा रहा है, क्योंकि वहां आसमान साफ रहने की संभावना अधिक रहती है। इसी वजह से दुनिया भर के वैज्ञानिक और फोटोग्राफर अभी से यात्रा की तैयारी कर रहे हैं।

• क्या भारत में दिखेगा यह ग्रहण?

विशेषज्ञों के अनुसार भारत में यह ग्रहण पूर्ण रूप से दिखाई नहीं देगा, लेकिन कुछ हिस्सों में आंशिक सूर्यग्रहण देखा जा सकता है। हालांकि इसकी सटीक दृश्यता उस समय की खगोलीय स्थिति और स्थान पर निर्भर करेगी। खगोल वैज्ञानिक लोगों को बिना सुरक्षा उपकरणों के सूर्यग्रहण देखने से बचने की सलाह दे रहे हैं।

वैज्ञानिक फिल्टर वाले विशेष चश्मे या प्रमाणित सोलर व्यूअर का उपयोग करने की सलाह दी गई है। दुनिया भर के वैज्ञानिकों के लिए यह सूर्यग्रहण केवल एक दृश्य चमत्कार नहीं, बल्कि शोध का बड़ा अवसर भी होगा। लंबे समय तक रहने वाली पूर्ण अंधकार की स्थिति से सूर्य की बाहरी परत कोरोना और सौर गतिविधियों का गहराई से अध्ययन किया जा सकेगा।

अनोखी पहलः दूल्हे ने शादी में आए मेहमानों का कराया एक्सीडेंट इंश्योरेंस

महाराष्ट्र में शादी बनी चर्चा का विषय, मेहमानों की सुरक्षा के लिए लिया खास कदम

एजेंसी | मुंबई/महाराष्ट्र

महाराष्ट्र में एक शादी समारोह ने अपने अनोखे कदम के चलते सोशल मीडिया पर खूब चर्चा बटोरी है। यहां एक दूल्हे ने अपनी शादी में शामिल होने आए सभी मेहमानों का एक्सीडेंट इंश्योरेंस कराकर लोगों को हैरान कर दिया।

यह पहल न सिर्फ मेहमानों की सुरक्षा के लिहाज से अहम मानी जा रही है, बल्कि इसे आधुनिक सोच और जिम्मेदारी का उदाहरण भी बताया जा रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, दूल्हे ने शादी से पहले ही एक इंश्योरेंस कंपनी के जरिए मेहमानों के लिए सामूहिक दुर्घटना बीमा पॉलिसी ली। इस पॉलिसी का उद्देश्य शादी समारोह के दौरान किसी भी अप्रत्याशित दुर्घटना की स्थिति में आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना था।

इस पहल की तस्वीरें और वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोग दूल्हे की सोच की तारीफ कर रहे हैं। कई यूजर्स ने इसे जिम्मेदार शादी की नई मिसाल बताया, जबकि कुछ ने कहा कि यह भविष्य में बड़े आयोजनों के लिए एक नया ट्रेंड बन सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की पहल से शादी जैसे बड़े आयोजनों में सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ेगी। वहीं, इंश्योरेंस विशेषज्ञों के अनुसार, सामूहिक बीमा योजनाएं अब इवेंट इंडस्ट्री में तेजी से लोकप्रिय हो रही हैं, क्योंकि ये कम लागत में अधिक लोगों को सुरक्षा कवरेज देती हैं।

यह शादी अब केवल एक पारिवारिक समारोह नहीं, बल्कि सुरक्षा और सामाजिक जिम्मेदारी का एक अनोखा उदाहरण बन गई है।

तुर्की पर ब्रह्मोस तानेगा भारत; भूमध्यसागर में नई रणनीति से बढ़ी हलचल, पाक की मदद की थी

साइप्रस से बढ़ती दोस्ती ने तुर्की की बढ़ाई बेचैनी, बड़ा रणनीतिक संदेश

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत और तुर्की के रिश्तों में पिछले कुछ समय से तल्खी देखी जा रही है। इसकी बड़ी वजह पाकिस्तान के साथ तुर्की का बढ़ता रक्षा सहयोग माना जा रहा है। तुर्की लगातार पाकिस्तान को ड्रोन, युद्धपोत और सैन्य तकनीक उपलब्ध करा रहा है। हाल ही में पाकिस्तान एयरफोर्स प्रमुख की तुर्की यात्रा और ड्रोन टेक्नोलॉजी पर हुई चर्चा ने नई बहस छेड़ दी।

इसी बीच भारत ने भूमध्यसागर क्षेत्र में साइप्रस के साथ अपने रिश्ते मजबूत करने शुरू कर दिए हैं। भारतीय विदेश नीति के जानकार इसे तुर्की को रणनीतिक संदेश मान रहे हैं। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि भारत और साइप्रस के बीच ब्रह्मोस और आकाश मिसाइल सिस्टम को लेकर चर्चा हो सकती है। हालांकि, दोनों देशों की ओर से अभी तक किसी औपचारिक रक्षा सौदे की पुष्टि नहीं हुई है।

• पाकिस्तान-तुर्की गठजोड़ पर भारत की नजर - भारतीय सुरक्षा एजेंसियां लंबे समय से तुर्की और पाकिस्तान के रक्षा सहयोग पर नजर बनाए हुए हैं। तुर्की की कंपनी बायकर टेक्नोलॉजी और पाकिस्तान के बीच ड्रोन तकनीक साझा करने की खबरें सामने आती रही हैं। भारत-पाक तनाव के दौरान सोशल मीडिया पर यह भी दावा हुआ था कि तुर्की ने पाकिस्तान को सैन्य मदद पहुंचाई, हालांकि बाद में अंकारा ने इन दावों से इनकार किया। विशेषज्ञ मानते हैं कि भारत अब संतुलित जवाब की रणनीति पर काम कर रहा है। जिस तरह तुर्की पाकिस्तान के साथ रक्षा संबंध मजबूत कर रहा है, उसी तरह भारत भी साइप्रस और ग्रीस जैसे देशों के साथ अपने सामरिक रिश्ते गहरा रहा है।

• ब्रह्मोस क्यों है बड़ा संदेश?

ब्रह्मोस दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों में गिनी जाती है। इसकी सटीक मारक क्षमता और समुद्र से लेकर जमीन तक हमले की ताकत इसे बेहद खतरनाक बनाती है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यदि भविष्य में भूमध्यसागर क्षेत्र में भारत की सैन्य तकनीक की मौजूदगी बढ़ती है, तो यह तुर्की के लिए बड़ा रणनीतिक दबाव बन सकता है। हालांकि भारत फिलहाल किसी टकराव की नीति के बजाय रणनीतिक संतुलन की राह पर चलता दिख रहा है। विदेश नीति विशेषज्ञों के अनुसार भारत सीधे टकराव से बचते हुए अपने हितों को सुरक्षित करने की कोशिश कर रहा है।

• संतुलन साधने की कोशिश

भारत और तुर्की के बीच व्यापारिक और राजनयिक संबंध अभी भी जारी हैं, लेकिन हालिया घटनाओं ने दोनों देशों के बीच अविश्वास बढ़ाया है। विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले समय में हिंद महासागर से लेकर भूमध्यसागर तक नई सामरिक प्रतिस्पर्धा देखने को मिल सकती है। फिलहाल ब्रह्मोस को लेकर चर्चाएं तेज हैं, लेकिन असली तस्वीर आने वाले महीनों में ही साफ होगी।

ग्रीन कार्ड पर अमेरिका के फैसले से बढ़ी पंजाब के युवाओं की चिंता

अमेरिका की सख्त होती इमिग्रेशन नीति ने बढ़ाई अनिश्चितता, हजारों पंजाबी परिवारों के सपनों पर असर की आशंका

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

अमेरिका में स्थायी नागरिकता यानी ग्रीन कार्ड पाने का सपना देख रहे लाखों भारतीयों के लिए हालिया घटनाक्रम चिंता बढ़ाने वाला माना जा रहा है। अमेरिकी प्रशासन ने ग्रीन कार्ड प्रक्रिया को लेकर नियम सख्त कर दिए हैं, जिससे भारतीय पेशेवरों, छात्रों और पंजाब से बड़ी संख्या में विदेश जाने वाले युवाओं पर सीधा असर पड़ सकता है।

नई नीति के तहत कई आवेदकों को अब अमेरिका के भीतर रहकर स्टेटस बदलने के बजाय अपने देश लौटकर प्रक्रिया पूरी करनी पड़ सकती है। अमेरिकी एजेंसियों के मुताबिक रोजगार आधारित ईबी-2 श्रेणी में भारतीयों के लिए तय ग्रीन कार्ड कोटा वित्त वर्ष 2026 के लिए पूरी तरह भर चुका है। इसका मतलब यह है कि अब नए भारतीय आवेदकों को अगले वित्त वर्ष तक इंतजार करना पड़ सकता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि पंजाब, गुजरात और दक्षिण भारत के वे परिवार सबसे ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं, जिनके बच्चे लंबे समय से एच-1बी वीजा, स्टूडेंट वीजा या वर्क परमिट पर अमेरिका में रह रहे हैं। पंजाब के कई युवा आईटी, ट्रांसपोर्ट, हेल्थकेयर और बिजनेस सेक्टर में अमेरिका जाने को बेहतर भविष्य का रास्ता मानते हैं। अब नई सख्ती के कारण उनकी नौकरी, पढ़ाई और परिवार से जुड़े फैसले प्रभावित हो सकते हैं।

• क्यों बढ़ी चिंता?

अमेरिका की नई नीति के अनुसार ग्रीन कार्ड के लिएएडजस्टमेंट ऑफ स्टेटस प्रक्रिया पहले की तुलना में ज्यादा कठिन हो सकती है। यानी अमेरिका में रहकर स्थायी नागरिकता हासिल करना आसान नहीं रहेगा। कई मामलों में आवेदकों को भारत लौटकर अमेरिकी दूतावास से प्रक्रिया पूरी करनी पड़ सकती है। इमिग्रेशन वकीलों का कहना है कि इससे लंबा इंतजार, अतिरिक्त खर्च और अनिश्चितता बढ़ सकती है। खासकर उन भारतीयों पर असर अधिक होगा जो वर्षों से अमेरिका में रहकर नौकरी कर रहे हैं और ग्रीन कार्ड की कतार में हैं।

पंजाब के युवाओं के सामने नई चुनौती

पंजाब में विदेश जाने का चलन लंबे समय से मजबूत रहा है। अमेरिका में बसे पंजाबी समुदाय का बड़ा हिस्सा रोजगार और बिजनेस से जुड़ा है। नई नीति से उन युवाओं की चिंता बढ़ी है, जो लाखों रुपये खर्च कर अमेरिका में पढ़ाई या नौकरी के लिए गए हैं। कई परिवारों को अब यह डर सता रहा है कि लंबी प्रक्रिया और अनिश्चित नियमों के कारण उनका भविष्य प्रभावित हो सकता है। हालांकि इमिग्रेशन विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका ने अभी पूरी तरह दरवाजे बंद नहीं किए हैं। कुशल पेशेवरों और उच्च शिक्षा प्राप्त लोगों की मांग बनी हुई है, लेकिन अब प्रक्रिया पहले से ज्यादा सख्त और समय लेने वाली हो सकती है। ऐसे में विशेषज्ञ युवाओं को जल्दबाजी में फैसले लेने के बजाय आधिकारिक जानकारी और कानूनी सलाह के आधार पर आगे बढ़ने की सलाह दे रहे हैं।

सांची में मंगोलिया भेजे जा रहे बौद्ध अस्थि कलशों को गार्ड ऑफ ऑनर

मंगोलिया में बौद्ध धर्म का व्यापक प्रभाव, भोपाल एयरपोर्ट से होगी विदाई, 24 घंटे सशस्त्र सुरक्षा घेरा तैनात

एजेंसी | भोपाल

मध्य प्रदेश के सांची में उस समय विशेष धार्मिक और सांस्कृतिक माहौल देखने को मिला जब मंगोलिया भेजे जा रहे बुद्ध के शिष्यों के अस्थि कलशों को औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। यह कार्यक्रम बौद्ध धरोहर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साझा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

कलशों को अब भोपाल एयरपोर्ट ले जाया जाएगा, जहां से उन्हें विशेष सुरक्षा व्यवस्था के बीच मंगोलिया के लिए रवाना किया जाएगा। प्रशासन ने अस्थि कलशों की सुरक्षा को लेकर 24 घंटे का सशस्त्र सुरक्षा घेरा तैनात किया है। पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों की टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं ताकि किसी भी प्रकार की चूक न हो। अधिकारियों के अनुसार यह कलश अत्यंत ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व रखते हैं, इसलिए इन्हें अत्यधिक सम्मान और सुरक्षा के साथ स्थानांतरित किया जा रहा है।

▪ सांची से दुनिया तक बौद्ध विरासत - सांची, जो यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है, लंबे समय से बौद्ध संस्कृति और इतिहास का प्रमुख केंद्र रहा है। यहां से भेजे जा रहे अस्थि कलशों को भारत और मंगोलिया के बीच सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मंगोलिया में बौद्ध धर्म का व्यापक प्रभाव रहा है, और इस आयोजन से दोनों देशों के आध्यात्मिक संबंध और गहरे होने की उम्मीद है। मध्य प्रदेश के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक कूटनीति का हिस्सा है, जो दुनिया को बौद्ध विरासत से जोड़ता है।

Good DAY

समर न्यूज़ | लुधियाना

हर नई सुबह अपने साथ नई उम्मीदें, नए सपने और नई संभावनाएं लेकर आती है। आज का दिन आपके जीवन में खुशियां, सफलता और सकारात्मक ऊर्जा लेकर आए। मुस्कुराते रहिए, आगे बढ़ते रहिए और अपने सपनों को साकार करने की दिशा में निरंतर प्रयास करते रहिए।

ऋषि कौशिक
एम.डी आर.के पब्लिक स्कूल

पेज 3 एंकर स्टोरी

मेटा ने लॉन्च किए नए प्लस प्लान, यूजर्स को मिलेंगे प्रीमियम फीचर्स

अब इंस्टाग्राम और वॉट्सऐप चलाने के लिए देने पड़ सकते हैं पैसे!

▪ मेटा का बड़ा दांवः मुफ्त सेवाएं रहेंगी जारी, लेकिन खास फीचर्स के लिए देना होगा सब्सक्रिप्शन चार्ज

एजेंसी | नई दिल्ली

दुनिया की सबसे बड़ी सोशल मीडिया कंपनियों में शामिल मेटा अब अपने लोकप्रिय प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम, फेसबुक और वॉट्सऐप पर नया कमाई मॉडल लागू करने जा रही है।

कंपनी ने आधिकारिक तौर पर इंस्टाग्राम प्लस, फेसबुक प्लस और वॉट्सऐप प्लस जैसे पेड सब्सक्रिप्शन प्लान पेश करने की घोषणा की है। इन प्लान्स के तहत यूजर्स को अतिरिक्त और प्रीमियम फीचर्स मिलेंगे, जिसके लिए हर महीने रिचार्ज की तरह शुल्क देना पड़ सकता है। हालांकि कंपनी ने साफ किया है कि ऐप्स की सामान्य सेवाएं फिलहाल मुफ्त ही रहेंगी।

मेटा की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक इंस्टाग्राम और फेसबुक के प्लस प्लान की शुरुआती कीमत लगभग 3.99 डॉलर प्रति माह रखी गई है, जबकि वॉट्सऐप प्लस के लिए करीब 2.99 डॉलर मासिक शुल्क लिया जा सकता है। भारतीय मुद्रा में यह रकम लगभग 250 से 350 रुपये के बीच बैठती है।

कंपनी का कहना है कि इन पेड प्लान्स का मकसद यूजर्स को अधिक कंट्रोल, बेहतर प्राइवेसी और एडवांस फीचर्स देना है। इंस्टाग्राम प्लस में स्टोरी को ज्यादा समय तक दिखाने, स्टोरी गुपचुप देखने, अतिरिक्त ऑडियंस लिस्ट बनाने और एआई आधारित एडिटिंग टूल्स जैसे फीचर्स मिल सकते हैं। वहीं वॉट्सऐप प्लस में कस्टम थीम, प्रीमियम स्टिकर्स, ज्यादा चैट पिन करने और उन्नत चैट मैनेजमेंट सुविधाएं शामिल की जा सकती हैं।

एआई पर भारी खर्च बना वजह

टेक एक्सपर्ट्स का मानना है कि मेटा का यह कदम कंपनी के तेजी से बढ़ते एआइई खर्च से जुड़ा है। मेटा इस समय एआई डेटा सेंटर, चिप्स और नई एआई सेवाओं पर अरबों डॉलर खर्च कर रही है। हाल ही में कंपनी ने हजारों कर्मचारियों की छंटनी भी की थी। ऐसे में विज्ञापन आधारित कमाई के साथ अब सब्सक्रिप्शन मॉडल को भी मजबूत किया जा रहा है।

क्या मुफ्त वॉट्सऐप बंद हो जाएगा?

इस पूरे घटनाक्रम के बीच सोशल मीडिया पर यह भ्रम तेजी से फैल गया कि अब वॉट्सऐप और इंस्टाग्राम पूरी तरह पेड हो जाएंगे। लेकिन उपलब्ध रिपोर्ट्स के अनुसार ऐसा नहीं है। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि सामान्य चैटिंग, कॉलिंग और सोशल मीडिया उपयोग पहले की तरह मुफ्त रहेगा। केवल अतिरिक्त और प्रोफेशनल फीचर्स के लिए वैकल्पिक सब्सक्रिप्शन मॉडल लाया जा रहा है।

सैमसंग कंपनी ने भारत में पूरे किए कस्टमर सर्विस के 30 साल

एजेंसी | नई दिल्ली

टेक्नोलॉजी कंपनी सैमसंग ने भारत में अपनी कस्टमर सर्विस यात्रा के 30 वर्ष पूरे होने पर उपभोक्ता सेवा के बदलते स्वरूप को साझा किया है। कंपनी ने बताया कि 1990 के दशक में जहां ग्राहक अपनी शिकायतें हाथ से लिखकर सर्विस सेंटर तक पहुंचाते थे, वहीं आज एआई आधारित डिजिटल प्लेटफॉर्म्स और "एआई केअर" सिस्टम के जरिए तुरंत समाधान की दिशा में काम हो रहा है। कंपनी के अनुसार, पिछले तीन दशकों में भारत में कस्टमर सपोर्ट मॉडल पूरी तरह बदल चुका है। पहले शिकायत दर्ज करने और समाधान में कई दिन लगते थे, जबकि अब मोबाइल ऐप, चैटबॉट्स और एआई असिस्टेड सिस्टम के जरिए मिनटों में समाधान की कोशिश की जा रही है।

हरियाणा में अब बदले जाएंगे पटवार सर्किल आबादी व काम के आधार पर होगा पुनर्गठन

2 हजार एकड़ को बनाया जाएगा नया मानक, प्रशासनिक ढांचे में बड़े बदलाव की तैयारी

समर न्यूज | चंडीगढ़

हरियाणा सरकार राज्य में पटवार सर्किलों की संरचना में बड़ा बदलाव करने जा रही है। नए प्रस्ताव के तहत अब पटवारी क्षेत्रों का निर्धारण केवल भौगोलिक सीमा के आधार पर नहीं, बल्कि आबादी और काम के बोझ को ध्यान में रखकर किया जाएगा। इसके लिए लगभग 2 हजार एकड़ क्षेत्र को आधार मानकर नया मानक तैयार किया गया है।

प्रशासन का मानना है कि मौजूदा व्यवस्था में कई पटवार सर्किलों पर काम का असमान दबाव है। कहीं बहुत अधिक गांव और आबादी होने के कारण काम का बोझ ज्यादा है, जबकि कुछ क्षेत्रों में अपेक्षाकृत कम कार्यभार देखा जाता है। इस असंतुलन को दूर करने के लिए यह नया मॉडल लागू किया जा रहा है।

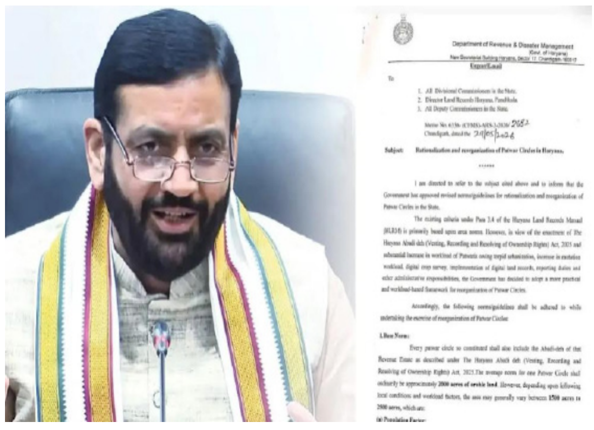

डिजिटल और कार्यकुशल व्यवस्था पर जोर: नई व्यवस्था के तहत पटवार सर्किलों का पुनर्गठन करते समय डिजिटल रिकॉर्ड और भूमि डेटा को भी आधार बनाया जाएगा। इससे भूमि रिकॉर्ड अपडेट करने, म्यूटेशन और अन्य राजस्व कार्यों में तेजी आने की उम्मीद है। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, इस कदम से न केवल कामकाज में पारदर्शिता बढ़ेगी बल्कि आम लोगों को भी राजस्व सेवाओं के लिए कम समय और कम परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

ग्रामीण प्रशासन पर असर

विशेषज्ञों का मानना है कि इस बदलाव से ग्रामीण प्रशासनिक व्यवस्था अधिक प्रभावी होगी। पटवारियों को संतुलित कार्यभार मिलने से उनकी कार्यक्षमता में सुधार होगा और शिकायतों की संख्या भी कम हो सकती है। फिलहाल इस प्रस्ताव पर अंतिम रूप से समीक्षा चल रही है। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से पूरे राज्य में नए पटवार सर्किल लागू किए जाएंगे। प्रशासन का लक्ष्य है कि आने वाले समय में हर नागरिक को राजस्व सेवाएं समय पर और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराई जा सकें।

15 दिन में रुका भुगतान जारी करें, नहीं तो जवाब देना होगा: कृष्ण लाल

समर न्यूज | कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र में आयोजित जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक में हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने लंबित मामलों और जन शिकायतों पर अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वर्षों से अटके भुगतान और जनहित से जुड़े मामलों का जल्द समाधान किया जाए, अन्यथा जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई तय होगी।

बैठक के दौरान गांवों में विकास कार्यों के भुगतान से जुड़ी शिकायत सामने आई। शिकायतकर्ता संतोष कुमार ने बताया कि वर्ष 2020-21 में कई गांवों में ब्लॉक और टाइलें लगाने का कार्य किया गया था, लेकिन करीब 60 लाख रुपये के भुगतान में से केवल 10 लाख रुपये ही जारी किए गए। शेष राशि के लिए पिछले पांच वर्षों से विभागों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

हरियाणा पुलिस कांस्टेबल भर्ती : पीएमटी में अनुपस्थित अभ्यर्थियों को आखिरी मौका

1 से 5 जून तक होगा परीक्षण, पहले उपस्थित न हो सके युवाओं को राहत

- एचएसएससी ने जारी किया नया शेड्यूल, 5500 पदों पर भर्ती प्रक्रिया को मिलेगी रफ्तार

समर न्यूज | चंडीगढ़

हरियाणा पुलिस कांस्टेबल भर्ती प्रक्रिया में शामिल उन अभ्यर्थियों के लिए राहत भरी खबर है, जो पहले आयोजित शारीरिक माप परीक्षण (पीएमटी) में किसी कारणवश उपस्थित नहीं हो सके थे। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) ने ऐसे उम्मीदवारों को अंतिम अवसर देने का फैसला किया है। आयोग की ओर से जारी नए कार्यक्रम के अनुसार पीएमटी का आयोजन 1 जून से 5 जून तक किया जाएगा।

यह भर्ती अभियान हरियाणा पुलिस में कुल 5500 कांस्टेबल पदों को भरने के लिए चलाया जा रहा है। भर्ती प्रक्रिया में बड़ी संख्या में उम्मीदवार शामिल हैं और आयोग इसे निर्धारित समय सीमा में पूरा करने की तैयारी में जुटा है।

अधिकारियों के अनुसार यह विशेष अवसर केवल उन अभ्यर्थियों के लिए है, जो पहले तय तिथियों पर पीएमटी में शामिल नहीं हो पाए थे। एचएसएससीने उम्मीदवारों को सलाह दी है कि वे आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध शेड्यूल, रिपोर्टिंग समय और अन्य दिशा-निर्देशों को ध्यान से पढ़ें। आयोग ने स्पष्ट किया है कि इस बार अनुपस्थित रहने वाले अभ्यर्थियों को दोबारा मौका दिए जाने की संभावना नहीं है।

भर्ती प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा करना

भर्ती विशेषज्ञों का मानना है कि अतिरिक्त मौका मिलने से कई योग्य उम्मीदवारों को राहत मिलेगी, जो स्वास्थ्य, यात्रा या अन्य कारणों से पहले परीक्षण में शामिल नहीं हो सके थे।
हालांकि आयोग ने यह भी साफ किया है कि सभी उम्मीदवारों को निर्धारित दस्तावेज और पहचान पत्र साथ लाने होंगे।
हरियाणा पुलिस भर्ती राज्य की सबसे बड़ी सरकारी भर्ती प्रक्रियाओं में से एक मानी जाती है। युवाओं के बीच इस भर्ती को लेकर काफी उत्साह है। आयोग का लक्ष्य पारदर्शी और निष्पक्ष प्रक्रिया के माध्यम से रिक्त पदों को भरना है, ताकि पुलिस बल में आवश्यक मानव संसाधन उपलब्ध कराया जा सके।
फिलहाल उम्मीदवारों की नजर 1 जून से शुरू होने वाले पीएमटी कार्यक्रम पर टिकी है। आयोग ने सभी अभ्यर्थियों से समय पर पहुंचने और निर्धारित नियमों का पालन करने की अपील की है।

रोहतक में चार बीघा जमीन के विवाद में कर दी किसान की हत्या

मोखरा गांव में तनाव, आठ नामजद आरोपी फरार, शव कब्जे में लिया

समर न्यूज | रोहतक

जिले के सबसे बड़े गांव मोखरा में जमीन विवाद ने खूनी रूप ले लिया। चार बीघा जमीन को लेकर लंबे समय से चली आ रही रंजिश के चलते देर रात एक किसान की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान ओमबीर उर्फ ओमला के रूप में हुई है। उनका शव गांव के गोगापीर मंदिर के पास एक गली में खून से लथपथ हालत में मिला।

घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है, जबकि पुलिस ने आठ लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। मृतक के बेटे विजय उर्फ सोनू ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि रात करीब 11:15 बजे गांव के दो युवक मोनू और सूरज घबराए हुए उसके पास पहुंचे और बताया कि उसके पिता गोगापीर मंदिर के सामने गली में गंभीर रूप से घायल अवस्था में पड़े हैं। सूचना मिलते ही वह मौके पर पहुंचा, जहां उसके पिता के सिर से खून बह रहा था और उनकी मौत हो चुकी थी।

इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलने पर बहुअकबरपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। परिजनों का आरोप है कि गांव में चार बीघा जमीन के लेन-देन को लेकर दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी मामले में अप्रैल माह के दौरान दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ मुकदमे भी दर्ज कराए थे। शिकायत के अनुसार, इसी पुरानी रंजिश के चलते अजय, ललित, रिम्पी, फूल सिंह, बिमलेश, माड़, मोनू और छोटू ने कथित रूप से सुनियोजित तरीके से ओमबीर पर हमला किया और उनकी हत्या कर दी। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ हत्या सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

थाना प्रभारी महेश कुमार ने बताया कि मामले की जांच के लिए सीआईए और थाना पुलिस की संयुक्त टीमें गठित की गई हैं। आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार हैं और उनकी तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए गांव में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। उल्लेखनीय है कि जिले में लगातार दूसरे दिन हत्या की वारदात सामने आई है।

हैरिटेज वॉक संस्कृति और इतिहास से जुड़ने का सशक्त माध्यम: डॉ. अरविंद शर्मा

समर न्यूज | सोनीपत

हरियाणा की सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक धरोहरों के प्रति नई पीढ़ी में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शनिवार को सोनीपत में हेरिटेज एवं सिटी वॉक का आयोजन किया गया। हरियाणा पर्यटन निगम की ओर से 'आओ चलें अपनी विरासत के साथ' अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में युवाओं, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लिया।

यह हेरिटेज वॉक एथनिक इंडिया, राई से शुरू होकर ऐतिहासिक बड़खालसा मेमोरियल तक पहुंची। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे प्रदेश के पर्यटन एवं विरासत मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि हेरिटेज वॉक केवल ऐतिहासिक स्थलों की यात्रा नहीं, बल्कि अपनी जड़ों, संस्कृति और सभ्यता से जुड़ने का प्रभावी माध्यम है।

जीएलएस फैक्ट्री हादसे में मिले कंकालों की पहचान अटकी

डीएनए रिपोर्ट का इंतजार कर रहे परिजन, बावल औद्योगिक क्षेत्र में हुए अग्निकांड के बाद लापता थे दो श्रमिक

समर न्यूज | रेवाड़ी

बावल औद्योगिक क्षेत्र के सेक्टर-5 स्थित जीएलएस फैक्ट्री में हुए भीषण अग्निकांड के बाद लापता दो श्रमिकों के कंकाल मिलने से परिवारों की उम्मीदें टूट गईं, लेकिन अब उनकी पहचान डीएनए रिपोर्ट के इंतजार में अटकी हुई है। हादसे के सात दिन बाद भी डीएनए मिलान की रिपोर्ट नहीं आने से परिजन अपनों के अंतिम दर्शन और अंतिम संस्कार के लिए बेचैन हैं।

मृतकों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए 25 मई को परिजनों के डीएनए सैंपल लेकर करनाल के मधुबन स्थित फॉरेंसिक प्रयोगशाला भेजे गए थे। अधिकारियों को उम्मीद थी कि रिपोर्ट एक सप्ताह के भीतर मिल जाएगी, लेकिन अभी तक परिणाम नहीं आने से प्रक्रिया लंबित है। रिपोर्ट आने के बाद ही कंकालों की पहचान की आधिकारिक पुष्टि हो सकेगी और शव परिजनों को सौंपे जाएंगे। इस बीच मृतकों के परिवार लगातार अस्पताल और पुलिस अधिकारियों के चक्कर काट रहे हैं। परिजनों का कहना है कि अनिश्चितता की स्थिति ने उनकी पीड़ा और बढ़ा दी है। हादसे के बाद से परिवारों का रो-रोकर बुरा हाल है और वे जल्द से जल्द पहचान की प्रक्रिया पूरी होने की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

उधर, बावल थाना पुलिस ने पीड़ित परिवारों की शिकायत पर फैक्ट्री प्रबंधन के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रशासन का कहना है कि मामले को प्राथमिकता के आधार पर देखा जा रहा है और डीएनए रिपोर्ट मिलते ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि 19 मई को इंक निर्माण करने वाली जीएलएस फैक्ट्री में अचानक तेज धमाकों के साथ भीषण आग लग गई थी। आग की चपेट में आने से छह श्रमिक झुलस गए थे। इनमें हरीबाबू और प्रवेश गंभीर रूप से घायल हुए थे, जिन्हें दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उपचार के दौरान हरीबाबू की मौत हो गई, जबकि अन्य घायलों की हालत अब स्थिर बताई जा रही है।

हादसे के छह दिन बाद फैक्ट्री परिसर से बिहार के शेखपुरा जिले के केबलबीघा निवासी 26 वर्षीय धर्मेंद्र और नालंदा जिले के मैथी गांव निवासी करीब 50 वर्षीय सतेंद्र पासवान के कंकाल बरामद हुए थे। पहचान संभव नहीं होने के कारण उनके अवशेषों को नागरिक अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखा गया है।

बावल थाना प्रभारी फूल कुमार ने बताया कि दोनों शवों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए परिजनों के सैंपल मधुबन लैब भेजे गए हैं। विभाग प्रयास कर रहा है कि डीएनए रिपोर्ट जल्द प्राप्त हो, ताकि मृतकों की पहचान कर उनके शव सम्मानपूर्वक परिजनों को सौंपे जा सकें।

20 साल के संघर्ष को मिला न्याय, गेस्ट शिक्षकों की आवाज बनी सरकार: गौतम

सुन्दर कुंडू | पलवल
समर न्यूज

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट द्वारा हरियाणा के गेस्ट शिक्षकों को नियमित करने के संबंध में दिए गए अहम फैसले के बाद प्रदेशभर के अतिथि अध्यापकों में उत्साह का माहौल है। इसी क्रम में गेस्ट शिक्षकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने पलवल में हरियाणा के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम के आवास पर पहुंचकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और खेल मंत्री का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर खेल मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि यह निर्णय हजारों गेस्ट शिक्षकों के लगभग दो दशक लंबे संघर्ष का सकारात्मक परिणाम है। उन्होंने कहा कि इन शिक्षकों ने वर्षों तक अपने अधिकारों की मांग शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से उठाई और अब उन्हें न्याय मिला है। उन्होंने भरोसा

दिलाया कि प्रदेश सरकार शिक्षकों के हितों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी उनकी समस्याओं के समाधान के लिए संवेदनशीलता के साथ कार्य करती रहेगी। गौरव गौतम ने कहा कि यदि किसी भी शिक्षक को अपनी बात सरकार या मुख्यमंत्री तक पहुंचानी हो, तो वह उनकी आवाज को मजबूती से उठाने का काम करेंगे।

हाईकोर्ट ने हरियाणा के सरकारी स्कूलों में कार्यरत करीब 12,700 गेस्ट शिक्षकों को सरकार को निर्देश दिया है कि वर्ष 2014 की नियमितीकरण नीति के तहत दो महीने के भीतर उनकी सेवाओं को नियमित करने की प्रक्रिया पूरी की जाए।

कैथल में गैस पाइपलाइन में संदिग्ध रिसाव से हड़कंप, घेराबंदी कर सील किया इलाका

समर न्यूज | कैथल

जिले के गांव नरड़ के समीप स्थित मेडिकल कॉलेज के पीछे खेतों से गुजर रही गैस पाइपलाइन में संभावित रिसाव की सूचना मिलने के बाद प्रशासन और संबंधित विभागों में हड़कंप मच गया। सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पूरे क्षेत्र को घेराबंदी कर सील कर दिया गया है, जबकि तकनीकी विशेषज्ञों और आपातकालीन टीमों ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पाइपलाइन की निगरानी कर रहे सुरक्षा गार्ड ने सबसे पहले गैस रिसाव की आशंका जताई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उसने तत्काल अधिकारियों और कंपनी के नियंत्रण कक्ष को सूचना दी। सूचना

मिलते ही आपातकालीन प्रतिक्रिया दल मौके पर पहुंचा और एहतियातन गैस आपूर्ति को अस्थायी रूप से रोक दिया गया, जिससे किसी संभावित दुर्घटना को टाला जा सके। अधिकारियों ने बताया कि जिस क्षेत्र में रिसाव की आशंका है, वहां गैस पाइपलाइन के समानांतर तेल पाइपलाइन भी गुजरती है। इसी कारण मामले को अत्यंत संवेदनशील मानते हुए अतिरिक्त सावधानी बरती जा रही है। मौके पर फायर ब्रिगेड की गाड़ियां तैनात कर दी गई हैं और तकनीकी टीमों ने जेसीबी मशीनों की मदद से पाइपलाइन के आसपास खुदाई शुरू कर दी है।

दिनभर चली जांच के बावजूद देर शाम तक रिसाव के सटीक स्थान की पुष्टि नहीं हो सकी। विशेषज्ञ पाइपलाइन की बारीकी से जांच कर संभावित तकनीकी खामी का पता लगाने में जुटे हैं।

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और किसी प्रकार की घबराने वाली बात नहीं है। प्रारंभिक जांच में पाइपलाइन से तेल चोरी या छेड़छाड़ के कोई संकेत नहीं मिले हैं। तकनीकी कारणों की पड़ताल की जा रही है।

फरीदाबाद में बुलडोजर अभियान: विकास परियोजनाओं के लिए हटाए गए धार्मिक ढांचे

समर न्यूज | फरीदाबाद

फरीदाबाद शहर में विकास परियोजनाओं का रास्ता साफ करने के लिए प्रशासन ने अब तक की सबसे बड़ी अतिक्रमण हटाओ कार्रवाई को अंजाम दिया। शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात नगर निगम ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में एनआईटी क्षेत्र में स्थित एक पुराने शिव मंदिर और मस्जिद समेत कई अवैध निर्माणों को हटाया।

संवेदनशीलता को देखते हुए इलाके में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए और इंटरनेट सेवाएं अस्थायी रूप से बंद कर दी गईं। प्रशासन के अनुसार यह कार्रवाई राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के निर्देशों और शहर की महत्वपूर्ण आधारभूत संरचना परियोजनाओं के लिए की गई है। इनमें गुरुग्राम-फरीदाबाद-

नोएडा को जोड़ने वाले प्रस्तावित नमो भारत आरआरटीएस कॉरिडोर तथा एनआईटी-3 मस्जिद चौक के पास बनने वाली एलिवेटेड रोड परियोजना शामिल हैं। अधिकारियों का कहना है कि संबंधित निर्माण इन योजनाओं के क्रियान्वयन में बाधा बन रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि संबंधित पक्षों को पहले कई बार नोटिस जारी किए गए थे और स्वयं निर्माण हटाने का अवसर भी दिया गया था। समय सीमा समाप्त होने के बाद प्रशासन ने कार्रवाई की। बताया जा रहा है कि हटाए गए कुछ ढांचे 30 से 40 वर्ष पुराने थे और सरकारी भूमि पर बने हुए थे।

पानीपत के सीआरपीएफ जवान का श्रीनगर में निधन

समर न्यूज | पानीपत

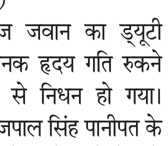

देश की आंतरिक सुरक्षा में मुस्तैद केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जांबाज जवान का ड्यूटी के दौरान अचानक हृदय गति रुकने (हार्ट अटैक) से निधन हो गया। मृतक जवान तेजपाल सिंह पानीपत के गांव गढ़ सरनाई के रहने वाले थे, जो वर्तमान में श्रीनगर में तैनात थे।

सोमवार को ही वह अपने परिवार से मिलकर और छुट्टी खत्म कर वापस ड्यूटी पर लौटे थे, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। जवान तेजपाल का पार्थिव शरीर शनिवार सुबह 9 बजे श्रीनगर से हवाई मार्ग द्वारा दिल्ली के लिए रवाना हो चुका है। दोपहर बाद उनका पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव गढ़ सरनाई पहुंचेगा, जहां पूरे राजकीय व सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

अलर्ट — करनाल सिविल अस्पताल में बनेगा 10 बेड का आइसोलेशन वार्ड

इबोला को लेकर हरियाणा अलर्ट मोड पर

राकेश कुमार शर्मा | करनाल
समर न्यूज

अफ्रीकी देशों में इबोला वायरस के बढ़ते मामलों के बीच हरियाणा स्वास्थ्य विभाग ने सतर्कता बढ़ा दी है। केंद्र सरकार की एडवाइजरी के बाद प्रदेशभर में निगरानी तेज कर दी गई है और संभावित संक्रमण से निपटने के लिए विशेष तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसी क्रम में करनाल के सिविल अस्पताल में 10 बेड का विशेष आइसोलेशन वार्ड स्थापित किया जा रहा है।

साथ ही एक वरिष्ठ चिकित्सक को नोडल अधिकारी नियुक्त करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी निर्देशों के तहत सभी सरकारी अस्पतालों को किसी भी संभावित इबोला संक्रमित मरीज के इलाज और प्रबंधन के लिए तैयार रहने को कहा गया है।

करनाल सिविल अस्पताल प्रशासन ने भी आवश्यक व्यवस्थाएं शुरू कर दी हैं। अधिकारियों का कहना है कि अगले एक-दो दिनों में आइसोलेशन वार्ड पूरी तरह तैयार कर लिया जाएगा ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके। हाल ही में अफ्रीका के कई देशों, विशेषकर कांगो और युगांडा में इबोला संक्रमण के नए मामले सामने आने के बाद वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य एजेंसियों ने सतर्कता बढ़ाई है। इसी को देखते हुए हरियाणा सरकार ने भी एहतियाती कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। इबोला वायरस को दुनिया की सबसे घातक संक्रामक बीमारियों में गिना जाता है। इसकी पहचान पहली बार वर्ष 1976 में अफ्रीका में हुई थी। यह वायरस संक्रमित जानवरों से इंसानों में और संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से अन्य लोगों में फैल सकता है। गंभीर मामलों में यह बीमारी जानलेवा साबित होती है। विशेषज्ञों के अनुसार इबोला संक्रमण के शुरुआती लक्षणों में तेज बुखार, सिरदर्द, अत्यधिक कमजोरी, उल्टी और दस्त शामिल हैं। संक्रमण बढ़ने पर शरीर में आंतरिक और बाहरी रक्तस्राव जैसी गंभीर स्थितियां भी उत्पन्न हो सकती हैं। इसकी मृत्यु दर 30 से 50 प्रतिशत तक बताई जाती है। हालांकि भारत में अब तक इबोला का कोई पुष्ट मामला सामने नहीं आया है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग किसी भी संभावित खतरे को देखते हुए पूरी सतर्कता बरत रहा है। विभाग ने लोगों को कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान जैसे प्रभावित देशों की गैर-जरूरी यात्राओं से बचने की सलाह दी है।

वहीं विदेश से लौटने वाले यात्रियों की स्वास्थ्य निगरानी भी बढ़ा दी गई है। करनाल सिविल अस्पताल के एसएमओ डॉ. दीपक गोयल ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार सभी आवश्यक तैयारियां कर रहा है और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है।

बिजली लाइन की मरम्मत के दौरान एएलएम की मौत, करंट लगने और हार्ट अटैक को लेकर विवाद

समर न्यूज | सिरसा

हरियाणा के सिरसा जिले के गांव बाजेकां में बिजली लाइन की मरम्मत के दौरान एचकेआरएन के तहत कार्यरत सहायक लाइनमैन (एएलएम) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के परिजनों और बिजली निगम के बीच मौत के कारण को लेकर अलग-अलग दावे सामने आए हैं।

परिजन जहां करंट लगने से मौत होने का आरोप लगा रहे हैं, वहीं बिजली निगम इसे पोल से गिरने और संभावित हार्ट अटैक का मामला बता रहा है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जानकारी के अनुसार गांव बाजेकां निवासी विनोद शाम बेगू रोड क्षेत्र में बिजली लाइन की मरम्मत का कार्य

कर रहा था। इसी दौरान वह बिजली के खंभे से नीचे गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया।

उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने आरोप लगाया कि मरम्मत कार्य के दौरान लाइन में अचानक करंट आने से विनोद को जोरदार झटका लगा, जिसके कारण वह पोल से नीचे गिर पड़ा। मृतक के स्वजनों का कहना है कि विनोद के हाथ जले हुए थे और उसके शरीर का रंग भी नीला पड़ गया था, जो करंट लगने की आशंका को मजबूत करता है। उनका आरोप है कि बिजली निगम मामले को दबाने के लिए मौत का कारण हार्ट अटैक बता रहा है। परिजनों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

हिमाचल पंचायत चुनाव में रिकॉर्ड 80.14% मतदान: सिरमौर में सबसे ज्यादा 84.83%

ग्रामीण मतदाताओं में दिखा उत्साह, महिलाओं और युवाओं की भागीदारी रही उल्लेखनीय, दोपहर 3 बजे मतदान प्रक्रिया समाप्त, कई क्षेत्रों में मतदान केंद्रों पर सुबह से लगी रहीं लंबी कतारें

समर न्यूज। शिमला

हिमाचल प्रदेश में तीसरे चरण में रिकॉर्ड 80.14 फीसदी वोटिंग हुई। सिरमौर जिला में सबसे ज्यादा 84.83% और कुल्लू जिला में कुल्लू 84.66% लोगों ने वोट दिए, जबकि मंडी व लाहौल स्पीति जिला में सबसे कम 71.05% लोगों ने मतदान किया। 26 मई को पहले चरण में 79 फीसदी और 28 मई को दूसरे चरण में 80 फीसदी लोगों ने वोट दिए थे। स्टेट इलेक्शन कमीशन के अनुसार- बिलासपुर जिला में 79.86%, चंबा 79.86%, हमीरपुर 76.17%, कांगड़ा 76.92%, किन्नौर 79.67%, शिमला 82.74%, सोलन 83.84% और ऊना जिला की पंचायतों में 78.87% लोगों ने मतदान किया। राज्य की सभी पंचायतों में मतदान प्रक्रिया दोपहर 3 बजे पूरी हो गई। मतदान के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में उत्साह का माहौल देखने को मिला और बड़ी संख्या में महिलाएं, युवा तथा वरिष्ठ नागरिक मतदान केंद्रों पर पहुंचे।

महिलाओं और युवाओं ने दिखाई सक्रियता

इस बार पंचायत चुनाव में महिला मतदाताओं की भागीदारी विशेष रूप से चर्चा में रही। कई पंचायतों में महिलाओं की मतदान प्रतिशतता पुरुषों के बराबर या उससे अधिक दर्ज की गई। पहली बार मतदान करने वाले युवाओं में भी उत्साह देखने को मिला। विशेषज्ञों का मानना है कि ग्रामीण विकास, सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे स्थानीय मुद्दों ने मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रशासन ने किए थे व्यापक इंतजाम

मतदान को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण बनाने के लिए प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए थे। संवेदनशील और अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया था। साथ ही चुनाव प्रक्रिया की निगरानी के लिए विशेष टीमें भी बनाई गई थीं। अधिकारियों के अनुसार कहीं से भी किसी बड़ी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। इससे चुनाव प्रक्रिया पर मतदाताओं का विश्वास और मजबूत हुआ है।

अब मतगणना पर नजर

मतदान समाप्त होने के बाद उम्मीदवारों की नजर अब मतगणना और परिणामों पर टिकी है। पंचायत स्तर पर हुए इस चुनाव को स्थानीय शासन और ग्रामीण विकास की दिशा तय करने वाला महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक अभ्यास माना जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि पंचायत चुनाव के परिणाम ग्रामीण क्षेत्रों की जनभावनाओं और स्थानीय नेतृत्व की स्वीकार्यता का महत्वपूर्ण संकेत देंगे। 1189 पंचायतों में शांतिपूर्ण ढंग से वोटिंग हुई।

भाजपा चुनाव में जीत के झूठे दावे कर रही कांग्रेस को व्यापक समर्थन: नरेश चौहान

पर्यटन और तिब्बत व्यापार को हिमाचल सरकार की बड़ी उपलब्धि बताया

संजू | शिमला
समर न्यूज़

हिमाचल प्रदेश में पंचायत और स्थानीय निकाय चुनावों के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। मुख्यमंत्री के प्रधान मीडिया सलाहकार नरेश चौहान ने भाजपा पर चुनावी नतीजों को लेकर भ्रामक माहौल बनाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा मीडिया के जरिये अपनी जीत का प्रचार कर रही है, जबकि कांग्रेस को जमीनी स्तर पर व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है।

नरेश चौहान ने दावा किया कि प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से कांग्रेस को मिले फीडबैक के अनुसार बड़ी संख्या में कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार पंचायत चुनावों में सफल हुए हैं। उन्होंने कहा कि पंचायत समितियों और जिला परिषद चुनावों में भी कांग्रेस समर्थित प्रत्याशियों को जनता का अच्छा समर्थन प्राप्त होने की संभावना है। उनके अनुसार मतदाताओं का रुझान विकास और जनहित के मुद्दों के आधार पर कांग्रेस की ओर दिखाई दे रहा है। पर्यटन क्षेत्र को लेकर चौहान ने कहा कि वर्ष 2023 और उसके बाद आई प्राकृतिक आपदाओं के कारण हिमाचल के पर्यटन उद्योग को भारी नुकसान झेलना पड़ा था। हालांकि अब स्थिति तेजी से सामान्य हो रही है और प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है।उन्होंने बताया कि शिमला, मनाली, धर्मशाला, पालमपुर, डलहौजी और कसौली जैसे पर्यटन केंद्रों में फिर से रौनक लौट रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में पर्यटन क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि कांगड़ा को पर्यटन हब के रूप में विकसित करने की दिशा में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम चल रहा है।

अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, हेलीपोर्ट निर्माण और एशियाई विकास बैंक के सहयोग से संचालित पर्यटन विकास योजनाएं प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति देने में सहायक साबित होंगी। नरेश चौहान ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा होम-स्टे नीति में किए गए संशोधन ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार और पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

एचआरटीसी चालकों-परिचालकों का आर-पार की लड़ाई का एलान

1 तारीख को सैलरी नहीं तो 2 से थमेंगे बसों के पहिए, प्रबंधन के साथ हुई बैठक पूरी तरह विफल, अब अपनाएंगे आक्रामक रुख

संजू | शिमला
समर न्यूज़

हिमाचल प्रदेश पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) चालक-परिचालक यूनियन ने एक बार फिर सरकार और प्रबंधन के खिलाफ आर-पार की लड़ाई का बिगुल फूंक दिया है। मांगों पर सहमति न बनने के बाद यूनियन ने चेतावनी दी है कि यदि पहली तारीख को वेतन नहीं आया, तो 2 तारीख से पूरे प्रदेश में बसों के पहिये जाम कर दिए जाएंगे।आज शनिवार को प्रबंधन के साथ यूनियन की वार्ता भी विफल रही।

चालक परिचालक यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष मानसिंह ठाकुर ने आज पत्रकार वार्ता के दौरान चेतावनी देते हुए कहा कि वेतन नही तो काम नही, उन्होंने कहा कि आज प्रबंधन के साथ हुई बैठक पूरी तरह विफल रही है, जिसके बाद कर्मचारियों को आंदोलन की राह पकड़ने पर मजबूर होना पड़ रहा है। मानसिंह ठाकुर ने बताया कि यूनियन ने बीती 13 तारीख को ही सरकार और निगम प्रबंधन को नोटिस थमा दिया था। उन्होंने साफ किया कि अगर पहली तारीख को कर्मचारियों की सैलरी आ जाती है तो ठीक है, अन्यथा 2 तारीख से पूरे हिमाचल प्रदेश में चक्का जाम कर दिया जाएगा। हम सभी कर्मचारियों से अपील करते हैं कि वे काम बंद कर दें। इसके साथ ही उन्होंने एचआरटीसी प्रशासन को आगाह करते हुए कहा कि अगर पहली तारीख को सैलरी नहीं आती है, तो प्रबंधन एडवांस टिकटों की बुकिंग न करे। यदि इसके बाद भी बुकिंग की जाती है और 2 तारीख को जनता को परेशानी होती है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी निगम प्रशासन की होगी। अध्यक्ष ने कहा कि आज प्रबंधन को एक और नोटिस सौंपकर 24 तारीख तक निम्नलिखित लंबित देयताओं को चुकता करने का अल्टीमेटम दिया गया है।कर्मचारियों का पिछले लंबे समय का करीब 150 करोड़ रुपये का नाइट ओवरटाइम और करोड़ों का एरियर फंसा हुआ है। कर्मचारियों के मेडिकल रीइंबर्समेंट के करीब 20 करोड़ रुपये आज तक जारी नहीं किए गए हैं।उन्होंने कहा कि प्रदेश के अन्य सरकारी कर्मचारियों को 50,000 की एरियर किस्त मिल चुकी है, लेकिन एचआरटीसी कर्मियों को इससे महरूम रखा गया है। यूनियन ने दो टूक कहा है कि कर्मचारी 24 तारीख तक गाड़ियां चलाएंगे, लेकिन यदि इस अवधि के भीतर ओवरटाइम, मेडिकल बिल और एरियर की अदायगी नहीं हुई, तो उसके बाद फिर से कड़ा कदम उठाया जाएगा। कुछ छोटी मांगों पर बनी सहमति, लेकिन वित्तीय मामलों पर प्रबंधन ने हाथ खड़े कर दिए हैं। मानसिंह ठाकुर ने कुछ राहत देने वाले फैसलों के लिए प्रबंधन का धन्यवाद भी किया। प्रबंधन ने यूनियन की कुछ छोटी और प्रशासनिक मांगें मान ली हैं जिनमें शामिल हैं- चालकों द्वारा 'परना' इस्तेमाल न करने के आदेश को वापस ले लिया गया है। कर्मचारियों की प्रमोशन (पदोन्नति) और नई भर्ती की मांग को स्वीकार किया गया है। रिकवरी से जुड़ी मांगों पर भी सहमति बनी है लेकिन, जैसे ही बात करोड़ों रुपये के लंबित वित्तीय बकायों पर आई, तो प्रबंधन ने बजट का हवाला देते हुए अपने हाथ खड़े कर दिए।

यूनियन अध्यक्ष ने दुख और रोष जताते हुए कहा कि पूरे प्रदेश में सभी विभागों के कर्मचारियों को समय पर वेतन और भत्ते मिल जाते हैं, लेकिन हिमाचल की लाइफलाइन कहे जाने वाले एचआरटीसी के कर्मियों को हमेशा अपने वेतन के लिए तरसना पड़ता है। उन्होंने सरकार और निगम प्रबंधन से गुहार लगाई है कि स्थिति की गंभीरता को समझा जाए और समय रहते मांगें पूरी की जाएं, ताकि प्रदेश की जनता को परेशानी न उठानी पड़े।

हिमाचल में जिप-बीडीसी और नगर निगम के नतीजे आज

9 बजे शुरू होगी, 12 बजे तक आएंगे नगर निगमों के रिजल्ट, मतगणना केंद्रों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम

समर न्यूज। शिमला

हिमाचल प्रदेश में जिला परिषद, बीडीसी और चार नगर निगम (सोलन, मंडी, पालमपुर व धर्मशाला) के मतों की गणना रविवार सुबह 9 बजे होगी। नगर निगम के दोपहर 12 बजे तक रिजल्ट आ जाएंगे, जबकि जिला परिषद और बीडीसी के मतों की गणना एक जून तक जारी रह सकती है।

स्टेट इलेक्शन कमीशन ने काउंटिंग की तैयारियां पूरी कर ली है। जिला परिषद और बीडीसी सदस्यों की मतगणना संबंधित बीडीओ कार्यालयों के दायरे में करवाई जाएगी। जिला परिषद सदस्यों के विजेताओं की आधिकारिक घोषणा डीसी और बीडीसी मेंबर के रिजल्ट की घोषणा संबंधि एसडीएम की ओर से की जाएगी। राज्य में 251 जिला परिषद और 1769 बीडीसी मेंबर चुने जाएंगे। इसी तरह, चार नगर निगम में लगभग 64 पार्षद चुने जाने हैं।

नगर निगम चुनाव पर सबकी नजरें प्रदेशवासियों की नजरें चार नगर निगम चुनाव के रिजल्ट पर टिकी है। दिसंबर 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले निगम चुनाव को सत्ता का सेमिफाइनल माना जा रहा है, क्योंकि नगर निगम चुनाव पार्टी चिन्ह पर होते हैं। सत्तारूढ़ कांग्रेस और भाजपा के इसके रिजल्ट कई मायने में अहम होंगे।

91 ब्लॉक में सुबह 9 बजे काउंटिंग राज्य के 91 विकास खंडों में कल सुबह 9 बजे से काउंटिंग शुरू होगी। जिला परिषद वार्डों की मतगणना के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। प्रत्येक जिला परिषद वार्ड में मतगणना के लिए 15 से 20 टेबल लगाए जाएंगी, जबकि एक वार्ड की मतगणना में करीब 35 कर्मचारी और अधिकारी तैनात रहेंगे।

हिमाचल प्रदेश के एडवोकेट जनरल अनूप रतन ने पैतृक गांव गंगोट में किया मतदान

राहुल चावला | धर्मशाला
समर न्यूज़

चिंतपूर्णी, विकास -:हिमाचल प्रदेश के एडवोकेट जनरल अनूप रतन ने पंचायती राज चुनाव के दौरान अपने पैतृक गांव गंगोट पहुंचकर परिवार सहित मतदान किया। इस अवसर पर उन्होंने लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी को ग्रामीण विकास की आधारशिला बताते हुए लोगों से अधिक से अधिक संख्या में मतदान केंद्रों तक पहुंचने का आह्वान किया। मतदान के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए अनूप रतन ने कहा कि पंचायती राज संस्थाएं लोकतंत्र की सबसे मजबूत कड़ी हैं।

नगर निकाय और पंचायती राज चुनावों में लोकतांत्रिक प्रक्रिया से छेड़छाड़ का आरोप

भाजपा ने कांग्रेस सरकार को घेरा, प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने उठाए सवाल

संजू | शिमला
समर न्यूज़

भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर नगर निकाय और पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को प्रभावित करने का आरोप लगाया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कहा कि राज्य सरकार चुनावी व्यवस्था में हस्तक्षेप कर जनता के जनादेश को कमजोर करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार सत्ता और प्रशासनिक ताकत का इस्तेमाल कर स्थानीय निकायों में अपने राजनीतिक हित साधने की कोशिश कर रही है।

डॉ. बिंदल ने कहा कि पंचायती राज चुनाव निर्धारित समय के अनुसार वर्ष 2025 के अंत में आयोजित होने चाहिए थे, लेकिन सरकार ने इन्हें समय पर कराने में रुचि नहीं दिखाई। उनके अनुसार चुनावों में हुई देरी के कारण प्रदेश संवैधानिक जटिलताओं की स्थिति में पहुंच गया। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद ही चुनाव प्रक्रिया आगे बढ़ सकी, जिसके लिए प्रदेश की जनता न्यायपालिका की आभारी है।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने दावा किया कि कांग्रेस सरकार को यह आभास हो चुका है कि प्रदेश में उसकी नीतियों को जनता का समर्थन नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुए स्थानीय निकाय और पंचायत चुनावों में मतदाताओं ने कांग्रेस के प्रति असंतोष व्यक्त किया है।

इसी कारण सरकार अब चुनाव परिणामों को अपने पक्ष में प्रभावित करने के लिए विभिन्न प्रशासनिक उपायों का सहारा ले रही है।उन्होंने नगर निकाय चुनावों का उल्लेख करते हुए कहा कि 17 मई को मतदान संपन्न होने के बावजूद चुने गए पार्षदों की अधिसूचना समय पर जारी नहीं की गई। भाजपा ने इस मामले को न्यायालय के समक्ष उठाया, जिसके बाद अधिसूचना जारी की गई। डॉ. बिंदल ने आरोप लगाया कि इसके बाद अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया में भी बदलाव कर दिया गया, जिससे निष्पक्षता पर सवाल खड़े होते हैं।उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा 27 मई को जारी अधिसूचना के माध्यम से नगर निकाय चुनाव नियमों में संशोधन किया गया। नए प्रावधानों के तहत अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव के लिए बैठक बुलाने के अधिकार और समय-सीमा में परिवर्तन किया गया है।

भाजपा का आरोप है कि इस बदलाव से निर्वाचित प्रतिनिधियों पर राजनीतिक दबाव बनाने और समीकरण बदलने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। डॉ. बिंदल ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के बाद नियमों में बदलाव करना लोकतांत्रिक मूल्यों और चुनावी परंपराओं के विपरीत माना जाता है। उनका कहना है कि इस प्रकार के संशोधन चुनावों की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं और लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को प्रभावित करते हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कांग्रेस सरकार पर जनादेश का सम्मान न करने का आरोप लगाते हुए कहा कि लोकतंत्र में जनता का निर्णय सर्वोपरि होता है।

सरकारी नौकरियों में नियुक्ति से पहले डोप टेस्ट होगा अनिवार्य, रिक्त पदों को भरने की तैयारी तेज

संजू | शिमला
समर न्यूज़

हिमाचल प्रदेश सरकार ने सरकारी सेवाओं में भर्ती प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने प्रशासनिक सचिवों के साथ आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में निर्देश दिए कि भविष्य में सरकारी सेवा में नियुक्ति से पहले सभी अभ्यर्थियों का डोप टेस्ट अनिवार्य किया जाए। इसके लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश तैयार करने के आदेश भी दिए गए हैं। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने नशे के खिलाफ राज्य सरकार के अभियान की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रदेश में चिट्टा और अन्य मादक पदार्थों के कारोबार पर सख्ती से कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने विभागों से यह जानकारी भी मांगी कि चिट्टा तस्करी में संलिप्त पाए गए सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ अब तक क्या कार्रवाई की गई है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि युवाओं को नशे से बचाना सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है।

मुख्यमंत्री ने चतुर्थ श्रेणी के सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लंबित ग्रेच्युटी और अवकाश नकदीकरण के भुगतान को शीघ्र जारी करने के निर्देश भी दिए।

रामपुर में छेड़छाड़ मामले में शिक्षक को 10 साल की कैद

12 छात्राओं को बनाया शिकार, एमपी का है आरोपी

समर न्यूज। रामपुर

रामपुर की अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय (पॉक्सो कोर्ट) ने नाबालिग छात्राओं के साथ अश्लील हरकतें और छेड़छाड़ करने के एक बेहद गंभीर मामले में त्वरित न्याय करते हुए ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। अदालत ने दोषी शिक्षक को 10 साल के कठोर कारावास (सश्रम कारावास) की सजा सुनाई है। साथ ही दोषी पर कुल 12 हजार रुपये का आर्थिक जुर्माना भी लगाया है, जिसे न भरने पर अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

उप जिला न्यायवादी कमल चंदेल ने बताया कि दोषी शिक्षक की पहचान रविकांत (46 वर्ष), पुत्र अजय कुमार के रूप में हुई है। वह मूल रूप से मध्य प्रदेश के जिला बालाघाट के वारासिवनी का निवासी है। दोषी रामपुर स्थित नवोदय विद्यालय में आर्ट्स (कला) शिक्षक के पद पर तैनात था, जहाँ उसने वर्ष 2024 में विद्या के मंदिर को शर्मसार करते हुए वहां पढ़ रही नाबालिग छात्राओं के साथ अनुचित और अश्लील व्यवहार किया।

काउंसिलर के सामने खुला राज

जांच और अदालती कार्यवाही में यह कड़वी सच्चाई सामने आई कि आरोपी शिक्षक ने एक या दो नहीं, बल्कि अलग-अलग दिनों में विद्यालय की 12 मासूम छात्राओं को अपनी हवस और गलत नीयत का शिकार बनाया था।
वह छात्राओं को गलत तरीके से छूता था और उनके साथ अश्लील हरकतें करता था।

प्रतिक्रिया

ईडी की ओर से गिरफ्तार क्रैक एकेडमी संचालकों से क्या रिश्ता बताएं मुख्यमंत्री सुक्खू

जनता ने सुनाया सरकार के खिलाफ जनादेश: जयराम

समर न्यूज़ | मंडी

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने पंचायतीराज चुनाव के तीसरे और आखिरी चरण में शनिवार को मंडी जिला के अंतर्गत अपने सराज विधानसभा क्षेत्र की गृह पंचायत मुरहाग के मतदान केंद्र पर पहुंचकर मतदान किया और इस लोकतंत्र के महापर्व में अपनी सक्रिय सहभागिता निभाते हुए प्रदेश के सभी मतदाताओं से सुशासन, पारदर्शी प्रशासन और ग्रामीण विकास के लिए योग्य प्रतिनिधियों को चुनने का आग्रह किया।

बाद उन्होंने सराज विधानसभा की ही ग्राम पंचायत तुंगाधार की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी से घर में आत्मीय भेंट कर उन्हें नवीन दायित्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं और विश्वास व्यक्त किया कि सभी नवनिर्वाचित प्रतिनिधि जनहित को सर्वोपरि रखते हुए पंचायतों के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे।

इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश में शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न होने पर जनता का आभार जताते हुए कांग्रेस की सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार पर तीखा राजनीतिक हमला बोला और आरोप लगाया कि ये चुनाव पिछले साल दिसंबर में ही हो जाने चाहिए थे लेकिन कांग्रेस सरकार ने जानबूझकर आपदा का बहाना बनाकर इन्हें छह महीने आगे खिसका दिया क्योंकि सरकार की शुरू से ही लोकतांत्रिक प्रक्रिया का सामना करने की मंशा नहीं थी, जिसके खिलाफ भाजपा को हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ी और अंततः देश की शीर्ष अदालत के कड़े आदेशों के बाद ही राज्य चुनाव आयोग ने इन चुनावों की प्रक्रिया शुरू की, जिसके प्रत्युत्तर में सुक्खू सरकार ने सरकारी तंत्र का दुरुपयोग करते हुए कई तरह के षडयंत्र और प्रलोभन वाले हथकंडे अपनाए लेकिन प्रदेश की जागरूक जनता ने सरकार के भारी दबाव और अनैतिक प्रलोभनों की परवाह किए बिना मतदान कर सरकार को जबरदस्त सबक सिखाया है।

लगभग 75 प्रतिशत भाजपा विचारधारा के समर्थित प्रत्याशियों को अभूतपूर्व जीत दिलाकर यह स्पष्ट संदेश दे दिया है कि हिमाचल प्रदेश की जनता वर्तमान कांग्रेस सरकार की जनविरोधी नीतियों, झूठी गारंटियों और विकास कार्यों को रोकने वाली कार्यप्रणाली से पूरी तरह तंग आ चुकी है। सत्ता के इस सेमीफाइनल माने जाने वाले पंचायती चुनाव में भाजपा ने जो प्रचंड बढ़त बनाई है वह सुक्खू सरकार की आंखें खोलने के लिए काफी है। मुख्यमंत्री साख बचाने के लिए झूठ का सहारा ले रहे हैं।

हिमाचल में बारिश व तूफान का असर, पंडोह में 37.4 मिमी बारिश

समर न्यूज। शिमला

हिमाचल प्रदेश में बीते 24 घंटों के दौरान मौसम ने तेज बदलाव दिखाया है। पंडोह क्षेत्र में 37.4 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि शिमला में तापमान में भारी गिरावट देखी गई। राजधानी शिमला का अधिकतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से घटकर 11.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिससे ठंड एक बार फिर लौट आई है।
राज्य के कई हिस्सों में तेज हवाओं के साथ बारिश और तूफान जैसी स्थिति बनी रही। इससे पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन और सड़क बाधित होने की आशंका भी बढ़ गई है।

▪ 10 जिलों में अलर्ट जारी

मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश के 10 जिलों में आज के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इसमें भारी बारिश, तेज हवाओं और बिजली गिरने की संभावना जताई गई है। विभाग ने लोगों को सतर्क रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है। विशेषकर ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तापमान में और गिरावट की संभावना है, जिससे ठंड का असर और बढ़ सकता है।

लगातार बारिश और खराब मौसम के कारण कई जगहों पर यातायात प्रभावित हुआ है। पहाड़ी सड़कों पर फिसलन बढ़ने से वाहन चालकों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति पर भी आंशिक असर देखा गया है।

▪ प्रशासन और राहत व्यवस्था

स्थानीय प्रशासन ने आपदा प्रबंधन टीमों को अलर्ट पर रखा है। संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी गई है ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत राहत कार्य शुरू किया जा सके।

रॉयल एस्टेट के प्रमोटर प्रवीण कंसल और नीरज कंसल गिरफ्तार

जमीन खरीद में गड़बड़ीः ईडी ने दिल्ली से किया गिरफ्तार, मोहाली में गलत तरीके से प्रोजेक्ट के सीएलयू लेने का आरोप

▪ ईडी ने कंपनी के चंडीगढ़ मोहाली ठिकानों पर की थी रेड, ठगी मामले में दर्ज है एफआईआर

मोनिका रावत | चंडीगढ़
समर न्यूज़

मोहाली के रॉयल एस्टेट के प्रमोटर प्रवीण कंसल और नीरज कंसल को ईडी ने दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। पिछले हफ्ते ही ईडी ने रॉयल एस्टेट के चंडीगढ़, मोहाली स्थित कई ठिकानों पर रेड की थी।

प्रवीण कंसल और नीरज कंसल पर गलत तरीके से मोहाली में प्रोजेक्ट के सीएलयू लेने का आरोप है। इसके अतिरिक्त जमीन की खरड़ फरोख्त में भी गड़बड़ी की शिकायत है। मोहाली विजिलेंस ने भी प्रवीण कंसल और नीरज कंसल के साथ साथ इंदु कंसल और नायब तहसीलदार तरसेम मित्तल के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया हुआ है।

इस केस में सुप्रीम कोर्ट से भी राहत नहीं मिली है। हाईकोर्ट ने भी कंपनी के प्रमोटर को कस्टडी में लेकर पूछताछ जय आदेश दिए थे। इस आदेश के खिलाफ कंपनी के प्रमोटर्स ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी। अब सुप्रीम कोर्ट से राहत न मिलने के बाद रॉयल एस्टेट के प्रमोटर्स गायब हो गए थे। पुलिस उनकी तलाश कर रही थी। कंपनी के प्रमोटर्स के खिलाफ मोहाली में 11 जून को फर्जी दस्तावेज तैयार करने तथा जालसाजी का केस दर्ज हुआ था । यह केस आर्थिक अपराध शाखा द्वारा दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ताओं नरेश कुमार गर्ग और प्यारे लाल गर्ग ने आरोप लगाया

कि वर्ष 2011 में संपत्ति उनके नाम पर खरीदी गई थी। वर्ष 2013 में बिना उनकी जानकारी और सहमति के उसी संपत्ति को मोतियाज रॉयल सिटी कंपनी के नाम ट्रांसफर कर दिया गया। यह ट्रांसफर तथाकथित सप्लीमेंट्री सेल डीड के माध्यम से की गई। नरेश गर्ग ने शिकायत में कहा था कि यह ट्रांसफर फर्जी बोर्ड प्रस्ताव के आधार पर किया गया। आरोपियों (कंपनी के डायरेक्टर्स) ने मिलकर साजिश रची और सरकारी अधिकारी की मिलीभगत से रजिस्ट्री करवाई गई।

▪ मोतियाज के प्रमोटर्स पर मुख्य आरोप

धोखाधड़ी करके संपत्ति हड़पना और फर्जी दस्तावेज़ बनाने का है। कंपनी के प्रमोटर्स ने कोर्ट में दलील दी थी कि यह कोई धोखाधड़ी नहीं, बल्कि तकनीकी गलती थी। मूल सेल डीड में गलती से खरीदार के रूप में शिकायतकर्ताओं का नाम आ गया बाद में बोर्ड ने प्रस्ताव पास कर सुधार किया गया।

शिकायतकर्ता इस प्रक्रिया से पूरी तरह अवगत थे। यह सिविल विवाद है, क्रिमिनल केस नहीं कोई पैसा या संपत्ति हड़पने की मंशा नहीं थी। वे जांच में शामिल हो चुके हैं, इसलिए कस्टडी में लेकर पूछताछ की जरूरत नहीं है। वहीं सरकार और शिकायतकर्ता पक्ष ने कहा कि आरोप गंभीर और स्पष्ट साजिश दर्शाते हैं। इससे दस्तावेज़ फर्जी होने का संदेह मजबूत होता है।

▪ सरकारी वकील की दलील

कानून के अनुसार सप्लीमेंट्री सेल डीड से मालिकाना हक नहीं बदला जा सकता।संपत्ति ट्रांसफर के लिए सभी मालिकों का उपस्थित होना जरूरी है।यहां तक कि सरकारी अधिकारी ने भी नियमों का उल्लंघन किया और अवैध ट्रांजैक्शन को मंजूरी दी। इसलिए गहन जांच के लिए आरोपियों की कस्टोडियल पूछताछ जरूरी है। हाईकोर्ट ने कहा था कि प्रथम दृष्टया गंभीर मामला है। दस्तावेज़ों से धोखाधड़ी और साजिश का मामला बनता है। संपत्ति बिना मालिक की सहमति के ट्रांसफर की गई। मूल दस्तावेज़ प्रस्तुत नहीं किए गए। आरोपी बोर्ड प्रस्ताव का असल नहीं दिखा पाए।

2026 में पंजाब में लगाए जाएंगे एक लाख पौधे : रितिक अरोड़ा

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

युवा उद्यमी एवं समाजसेवी रितिक अरोड़ा को एनवायरनमेंट फॉरेस्ट एंड क्लाइमेट चेंज कमीशन का पंजाब राज्य चेयरमैन नियुक्त किया गया है। कमीशन के ऑल इंडिया ओएसडी हरिंदर ने उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपा। इस अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा पंजाब की वाइस प्रेसिडेंट एकता नागपाल, रेल मंत्रालय की जेडआरयूसीसी के सदस्य अमित सिंह सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

नियुक्ति के बाद रितिक अरोड़ा ने घोषणा की कि वर्ष 2026 में पंजाब भर में 1 लाख पेड़ लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह अभियान पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा।

अरोड़ा ने अवैध खनन के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भी संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि नदी क्षेत्रों में औचक निरीक्षण और छापेमारी कर प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा सुनिश्चित की जाएगी। इसके साथ ही पंजाब को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए जागरूकता और जनभागीदारी अभियान भी चलाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि युवाओं, सामाजिक संस्थाओं और शिक्षण संस्थानों के सहयोग से स्वच्छ, हरित और स्वस्थ पंजाब के निर्माण का लक्ष्य पूरा किया जाएगा।

मूसलाधार बारिश और ठंडी हवाओं से ट्राईसिटी को मिली गर्मी से राहत

डेराबस्सी हलके में सुबह से ही मौसम खुशगवार बना रहा, आज भी बारिश के आसार

बारिश के बाद जीरकपुर की सड़कों पर भरा पानी। (नीचे) बारिश में डिलीवरी करने जाता डिलवरी बॉय। - समर न्यूज़

गुरमीत सिंह | जीरकपुर/डेराबस्सी
समर न्यूज़

डेराबस्सी हलके के जीरकपुर, डेराबस्सी और लालड़ू इलाके सहित आसपास के क्षेत्रों में शनिवार को अचानक मौसम बदला और लोगों को भीषण गर्मी व लू से बड़ी राहत मिली। तड़के हुई बारिश और चली ठंडी हवाओं के कारण तापमान में काफी गिरावट दर्ज की गई। पिछले कई दिनों से यह इलाका तेज गर्मी और लू की मार झेल रहा था, जिससे लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।

शनिवार को अचानक बादल छाए और बरसात होने से मौसम सुहावना हो गया। बारिश से लोगों ने सुकून की सांस ली है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि बारिश और ठंडी हवाओं ने गर्मी से काफी राहत दी है। इस दौरान कुछ स्थानों पर तेज हवाएं भी चलीं, जिससे मौसम और भी खुशनुमा हो गया।

मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ घंटों तक ऐसा ही मौसम बना रहने की संभावना है। विभाग ने कहा कि बदली छाई रहने और हल्की बरसात के कारण तापमान में और नरमी आ सकती है।

डेराबस्सी सरकारी अस्पताल की महिला डॉक्टर पर हमला, थप्पड़ मारा

गुस्से में ओपीडी सेवाएं बंद, कार्रवाई न होने के विरोध में अस्पताल के परिसर में अनिश्चितकालीन धरना, गिरफ्तारी की मांग

डेराबस्सी सरकारी अस्पताल के डॉक्टर रोष प्रदर्शन करते हुए। (2) अस्पताल में लगी डॉक्टरों और मरीजों की भीड़। (3) मामले की जानकारी देते महिला डॉक्टर, जिस पर हमला किया गया। - समर न्यूज़

▪ हस्पताल में पहले भी बड़ी बड़ी वारदाते हो चुकी है फिर भी सुरक्षा की तरफ नहीं दिया ध्यान

गुरमीत सिंह | डेराबस्सी
समर न्यूज़

डेराबस्सी के सरकारी अस्पताल में एनेस्थीसिया विभाग की महिला डॉक्टर जौत नूर पर 2-3 अज्ञात व्यक्तियों द्वारा किया गया हमला शहर की कानून-व्यवस्था और चिकित्सकों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर गया है। घटना के 24 घंटे बाद भी पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई न किए जाने से अस्पताल के सिविल स्टाफ और डॉक्टरों ने प्रदर्शन करते हुए ओपीडी सेवाएं पूरी तरह बंद कर दीं और अस्पताल के परिसर में अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है।

जानकारी के अनुसार यह घटना शुक्रवार दोपहर की है, जब डॉक्टर जौत नूर अस्पताल के पास जंगलात विभाग के दफ्तर में खड़ी अपनी कार लेने जा रही थी। इसी दौरान वहाँ दो-तीन युवकों ने अभद्रता करनी शुरू कर दी और आरोप लगाया कि "हमारे मरीज को चंडीगढ़ क्यों रेफर किया गया"। विवाद बढ़ने पर उन्होंने डॉक्टर को थप्पड़ मार दिया और मौके से भाग गए।

घटना के समय डॉक्टर जौत नूर ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत अपनी गाड़ी में बैठकर अपनी जान बचाई। इसके बाद हमलावर मौके से भाग गए। पीड़ित ने डेराबस्सी पुलिस को लिखित शिकायत दर्ज करवाई है, लेकिन अभी तक हमलावरों की पहचान या गिरफ्तारी नहीं हो पाई है, जिसके कारण मेडिकल स्टाफ में गहरा रोष है।

डॉक्टरों ने कहा हैरानी की बात है कि यह घटना बस स्टैंड और डेराबस्सी पुलिस स्टेशन से कुछ ही कदमों की दूरी पर हुई। पिछले दिन वोटों की गिनती के कारण आसपास कई स्थानों पर पुलिस मौजूद रही और बस स्टैंड पर कैमरे भी लगे हुए हैं जिनका नियंत्रण डेराबस्सी पुलिस के पास है। इसके बावजूद 24 घंटे बीत जाने के बाद भी पुलिस ने किसी प्रकार की ठोस कार्रवाई नहीं की है।

डॉक्टरों का कहना है कि जब तक हमलावरों को गिरफ्तार नहीं किया जाता और अस्पताल में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जाती, ओपीडी सेवाएँ बंद रहेंगी। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि अस्पताल परिसर में प्रवेश-नियंत्रण और सिक्योरिटी बढ़ाई जाएं, सीसीटीवी फुटेज की तेज़ और पारदर्शी जांच की जाए, और डॉक्टरों के प्रति बढ़ते हमलों के पीछे के कारणों का विश्लेषण कर तत्काल प्रभावी कदम उठाए जाएं।

▪ डॉक्टरों की सुरक्षा पर ज़ोर

डेराबस्सी के चिकित्सकीय समुदाय ने कहा है कि अस्पतालों में काम करने वाले डॉक्टरों को बार-बार बदसलूकी और हिंसा का सामना करना पड़ रहा है, जिससे चिकित्सा कार्य प्रभावित हो रहे हैं और बहुमूल्य जीवन जोखिम में पड़ रहे हैं। उनका कहना है कि केवल कड़े कानूनी प्रावधान ही नहीं, बल्कि धरातलीय सुरक्षा के कड़े इंतज़ाम होने चाहिए।

हड़ताल के कारण ओपीडी सेवाएँ ठप हैं, अस्पताल की ओ पी डी में सुबह से दोपहर तक 600 से 700 मरीज आते है। इसके इलावा एमरजेंसी में अलग से मरीज आते है। इससे पहले भी इस अस्पताल में गुंडागर्दी का नंगा नाच हो चुका है फ़िर भी सुरक्षा को लेकर कोई कदम नहीं उठाया गया।

मोहाली में मेयर पद की दौड़ में चार दावेदार

नगर निगम चुनाव में 26 सीटें जीतकर बहुमत में आई आम आदमी पार्टी, पार्टी में शुरू हुआ मंथन

सागर पाहवा | मोहाली
समर न्यूज़

चेयरमैन डॉ. सन्नी अहलूवालिया

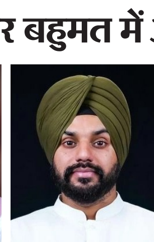
सरबजीत सिंह समाना

वरिष्ठ पार्षद सुखदेव सिंह पटवारी

पार्षद गुरमीत कौर

नगर निगम चुनाव में स्पष्ट बहुमत हासिल करने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) में अब मेयर पद को लेकर चर्चा तेज हो गई है। 50 सदस्यीय नगर निगम में आम आदमी पार्टी ने 26 सीटें जीतकर सत्ता पर कब्जा जमाया है। कांग्रेस 12 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर रही, जबकि शिरोमणि अकाली दल को चार, भाजपा को तीन और चार निर्दलीय उम्मीदवारों को जीत मिली है।

बहुमत मिलने के साथ ही पार्टी के भीतर मेयर पद के लिए दावेदारी शुरू हो गई है। फिलहाल पंजाब वॉटर सप्लाई एवं सीवरेज बोर्ड के चेयरमैन डॉ. सन्नी अहलूवालिया, विधायक कुलवंत सिंह के बेटे सरबजीत सिंह समाना, वरिष्ठ पार्षद सुखदेव सिंह पटवारी और पार्षद गुरमीत कौर को प्रमुख दावेदार माना जा रहा है। अब अंतिम फैसला पार्टी नेतृत्व को करना है, लेकिन मेयर पद को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर लगातार जारी है।

-डॉ. सन्नी अहलूवालियाः संगठन में मजबूत पकड़ रखने वाले नेताओं में गिने जाते हैं। वह पार्टी की शुरुआत से जुड़े रहे हैं और शीर्ष नेतृत्व के साथ उनके अच्छे संबंध बताए जाते हैं। वर्तमान में वह पंजाब वॉटर सप्लाई एवं सीवरेज बोर्ड के चेयरमैन हैं। हालांकि उन्होंने पहली बार नगर निगम चुनाव लड़ा है और स्थानीय निकाय राजनीति में उनका अनुभव अपेक्षाकृत कम माना जा रहा है। उन्होंने वार्ड नंबर छह से 269 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की है।

-सरबजीत सिंह समानाः दूसरी बार पार्षद बने हैं। उन्होंने वार्ड नंबर 42 से 458 वोटों के बड़े अंतर से जीत हासिल की। हालांकि उनके पिता कुलवंत सिंह पहले से ही मोहाली के विधायक हैं। ऐसे में आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए पार्टी एक ही परिवार को विधायक और मेयर दोनों पद देने से पहले राजनीतिक संतुलन पर विचार कर सकती है।

-सुखदेव सिंह पटवारीः नगर निगम राजनीति का अनुभवी चेहरा हैं। वह चौथी बार पार्षद चुने गए हैं और सीनियर डिप्टी मेयर भी रह चुके हैं। अकाली दल और निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में भी चुनाव जीतने का अनुभव उनके पास है। हालांकि उनका आम आदमी पार्टी में अपेक्षाकृत नया राजनीतिक सफर और शीर्ष नेतृत्व से सीमित संपर्क उनकी राह में चुनौती बन सकता है। उन्होंने वार्ड नंबर 34 से 67 वोटों के मामूली अंतर से जीत दर्ज की।

-गुरमीत कौरः गुरमीत कौर व उनके पति हरविंदर सिंह ने क्रमशः वार्ड नंबर तीन और चार से जीत हासिल की है। दोनों पहले भी पार्षद रह चुके हैं। गुरमीत कौर ने 182 और हरविंदर सिंह ने 142 वोटों के अंतर से चुनाव जीता। हालांकि संगठन में सीमित पकड़ को उनके लिए चुनौती माना जा रहा है।

अतिथि अध्यापकों को नियमित करने के फैसले को लागू करने की मांग

मुकुल शर्मा | पंचकूला
समर न्यूज़

हरियाणा के अतिथि अध्यापकों ने अपनी सेवाएं नियमित करने संबंधी हाईकोर्ट के फैसले को जल्द लागू करवाने की मांग को लेकर शुक्रवार को

हरियाणा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता ज्ञान चंद गुप्ता से मुलाकात की। अतिथि अध्यापक (कोर्ट कमेटी) हरियाणा के प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें मांग पत्र सौंपते हुए मुख्यमंत्री तक उनकी मांग पहुंचाने का आग्रह किया। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि हाईकोर्ट ने वर्ष 2005-06 में नियुक्त अतिथि अध्यापकों के पक्ष में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए हरियाणा सरकार को वर्ष 2014 की नियमितीकरण नीति के तहत उनकी सेवाएं नियमित करने के निर्देश दिए हैं।

वोटों के बंटवारे के कारण 'आप' का जीरकपुर नगर परिषद पर हुआ कब्जा

गुरमीत सिंह | जीरकपुर
समर न्यूज़

जीरकपुर - जीत की खुशी मनाते उमीदवार हलका विधायक कुलजीत सिंह रंधावा के साथ। - समर न्यूज़

जीरकपुर नगर परिषद चुनावों के नतीजों ने शहर की बदलती राजनीतिक तस्वीर को साफ कर दिया है। 31 वार्डों की मुकाबले में आम आदमी पार्टी ने 16 सीट जीत कर बहुमत हासिल कर लिया, लेकिन आंकड़ों के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि ये जीत किसी लहर के बजाय विरोधी दलों के वोट बंटने का नतीजा रही। 'आप' को नए रिहायशी क्षेत्रों, अपार्टमेंट इलाकों और मध्यम वर्ग के मतदाताओं का भरपूर समर्थन मिला। वार्ड नंबर 28 में पार्टी को सबसे अधिक 1631 वोट मिले, जबकि वार्ड 1, 5, 12 और 15 में भी पार्टी ने एक हजार से अधिक वोट हासिल किए। अकाली दल ने छह सीटें जीत कर ग्रामीण व पारंपरिक समर्थन वाले इलाकों में अपनी पकड़ कायम रखी। वार्ड नंबर 20 में पार्टी को 1346 वोट मिले।

भाजपा ने चार सीटें जीतीं और वार्ड नंबर 14 में 1301 वोटों के साथ सबसे मजबूत प्रदर्शन किया। कांग्रेस केवल चार सीटों पर सिमट कर रह गई, हालांकि वार्ड 10 और 30 में उसका वोट बैंक बना दिखा। वार्ड नंबर 16 में निर्दलीय उम्मीदवार किरनदीप कौर की जीत बड़ी उलटफेर रही। वहाँ उन्होंने 823 वोट पाकर आम आदमी पार्टी समेत सभी प्रमुख दलों को पीछे छोड़ दिया। चुनावी नतीजे दर्शाते हैं कि जीरकपुर में अब राजनीति बहु-कोणीय हो चुकी है, जहाँ वोटों का बंटवारा और स्थानीय समीकरण जीत-हार का सबसे बड़ा कारण बनते जा रहे हैं।

मंजूरी

हर घंटे के साथ बढ़ेगी फीस, ई-टिकट से होगा पूरा डिजिटल मैनेजमेंट

चंडीगढ़ में टाइमिंग के हिसाब से बढ़ेंगे पार्किंग रेट, चार मार्केट में लागू होगा सिस्टम

समर न्यूज़। चंडीगढ़

चंडीगढ़ में अब पार्किंग शुल्क सिर्फ फिक्स नहीं रहेगा, बल्कि समय के साथ बढ़ता जाएगा। नए प्रस्तावित सिस्टम के तहत जैसे-जैसे वाहन पार्किंग में ज्यादा समय तक खड़े रहेंगे, वैसे-वैसे हर घंटे की फीस बढ़ती जाएगी। प्रशासन का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य बाजारों में अनावश्यक भीड़ को कम करना और पार्किंग स्पेस का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करना है।

▪ 4 प्रमुख मार्केट में लागू होगा सिस्टम

यह नई व्यवस्था शहर के चार प्रमुख बाजारों में लागू की जाएगी, जहां रोजाना बड़ी संख्या में लोग खरीदारी के लिए आते हैं। इनमें सेक्टर-17, सेक्टर-22, सेक्टर-35 और मनीमाजरा जैसे व्यस्त मार्केट शामिल हैं। इन इलाकों में अक्सर पार्किंग की समस्या देखने को मिलती है, जिससे ट्रैफिक जाम की स्थिति भी बनती है। नई व्यवस्था के तहत शुरुआती घंटों में सामान्य शुल्क लिया जाएगा, लेकिन जैसे-जैसे समय बढ़ेगा, प्रति घंटे का रेट बढ़ता जाएगा। इससे उम्मीद है कि लोग लंबे समय तक वाहन खड़ा करने से बचेंगे।

▪ ई-टिकट सिस्टम से होगा पूरा डिजिटल कंट्रोल

पार्किंग व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए ई-टिकट सिस्टम लागू किया जाएगा। वाहन पार्क करते समय डिजिटल टिकट जारी किया जाएगा, जिसमें एंट्री टाइम दर्ज होगा। निकासी के समय के आधार पर कुल शुल्क स्वतः कैलकुलेट होकर लिया जाएगा।

▪ भीड़ और ट्रैफिक पर लगेगी लगाम

प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, शहर के व्यस्त बाजारों में लंबे समय तक पार्किंग करने की आदत से अन्य वाहनों को जगह नहीं मिलती। इससे न केवल पार्किंग की समस्या बढ़ती है, बल्कि आसपास के इलाकों में ट्रैफिक जाम भी लग जाता है। इस नए मॉडल से उम्मीद की जा रही है कि लोग केवल जरूरी समय तक ही वाहन पार्क करेंगे, जिससे पार्किंग स्पेस का बेहतर रोटेशन होगा।

▪ जनता की प्रतिक्रिया

प्रारंभिक स्तर पर इस प्रस्ताव को लेकर मिली-जुली प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। कुछ लोग इसे ट्रैफिक सुधार के लिए अच्छा कदम मान रहे हैं, जबकि कुछ का कहना है कि इससे आम उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ेगा। फिलहाल यह योजना लागू करने की अंतिम प्रक्रिया में है। जल्द ही प्रशासन इसकी आधिकारिक तारीख और विस्तृत दरें जारी कर सकता है। इसके बाद शहर में पार्किंग व्यवस्था पूरी तरह डिजिटल और टाइम-बेस्ड मॉडल पर चलने लगेगी।

भाजपा उम्मीदवार ने प्रशासन पर लगाए धक्केशाही के आरोप

समर न्यूज़ | मोहाली

मोहाली के अधीन आते गांव बल्लोमाजरा (वार्ड नंबर -47) से नगर निगम चुनाव लड़ रही भाजपा उम्मीदवार सुखदीप कौर ने चुनाव परिणाम के दौरान मोहाली प्रशासन और पुलिस प्रशासन पर धक्केशाही और सरकार के अधीन काम करने के आरोप लगाए हैं।

सुखदीप कौर ने मोहाली प्रशासन और पुलिस प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि गत दिवस 29 मई को आए चुनाव परिणाम के दौरान उन्हें आप उम्मीदवार परमिंदर कौर से 1 वोट से हारे घोषित किया गया। 1624 पोल हुई वोट में उन्हें 424 वोट मिले, जबकि परमिंदर कौर को 425 वोट हासिल हुई और उसे विजयी घोषित कर दिया गया। उन्होंने इस को लेकर आर ओ (एसडीएम) दमनदीप कौर व शमिंदर सिंह और अन्य से काउंटिंग को लेकर आपति जताई।

आरओ दमनप्रीत कौर ने उनकी एक न् सुनी और पुलिस प्रशासन को बोलकर उन्हें धक्के मार कर हाल से बाहर करवा दिया। उनकी बात नहीं सुनी।

ईरान को 28 लाख करोड़ रु. के रीकंस्ट्रक्शन फंड की चर्चा, अमेरिकी निवेश व परमाणु समझौते पर मतभेद

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प के दावे के बाद बयानबाजी तेज, ईरान ने समझौते से किया इन्कार

एजेंसी | वॉशिंगटन/तेहरान

अंतराष्ट्रीय राजनीति में ईरान को लेकर एक बार फिर बड़े दावों और विवादों का दौर शुरू हो गया है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के हालिया बयान के बाद चर्चा तेज है कि यदि किसी समझौते की स्थिति बनती है तो ईरान को लगभग 28 लाख करोड़ रुपये के रीकंस्ट्रक्शन फंड तक पहुंच मिल सकती है। इस फंड के तहत अमेरिकी और वैश्विक कंपनियों के बड़े निवेश की संभावना जताई जा रही है।

ट्रम्प ने यह भी दावा किया कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर किसी स्तर पर सहमति की दिशा में बातचीत आगे बढ़ सकती है। हालांकि, ईरान ने इन दावों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है और किसी भी बाहरी दबाव में कोई नया समझौता स्वीकार्य नहीं होगा।

▪ **निवेश और पुनर्निर्माण की चर्चा:** रिपोर्ट्स के अनुसार, यदि क्षेत्रीय तनाव में कमी आती है तो ईरान में ऊर्जा, तेल, गैस और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर पुनर्निर्माण परियोजनाएं शुरू हो सकती हैं। इन परियोजनाओं में अमेरिकी और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों की भागीदारी की संभावना भी जताई जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान जैसे संसाधन संपन्न देश में स्थिरता आने पर वैश्विक निवेशकों की रुचि तेजी से बढ़ सकती है, खासकर ऊर्जा क्षेत्र में।

▪ **ईरान का रुख सख्त**

ईरान ने स्पष्ट किया है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों और परमाणु नीति पर किसी भी तरह का समझौता दबाव में नहीं करेगा। तेहरान का कहना है कि पश्चिमी देशों के साथ बातचीत तभी संभव है जब सभी पक्ष समान शर्तों पर चर्चा करें।

▪ **वैश्विक राजनीति पर असर**

अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकारों का कहना है कि इस तरह के बयानों से वैश्विक बाजार और कूटनीतिक रिश्तों पर असर पड़ सकता है। तेल बाजार पहले से ही अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है, ऐसे में ईरान से जुड़ी किसी भी बड़ी घोषणा का सीधा प्रभाव ऊर्जा कीमतों पर देखा जा सकता है।

फिलहाल इस मुद्दे पर किसी आधिकारिक समझौते की पुष्टि नहीं हुई है। स्थिति पूरी तरह राजनीतिक बयानबाजी और कूटनीतिक संकेतों पर आधारित है। आने वाले दिनों में अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस विषय पर और चर्चा होने की संभावना है।

वैभव सूर्यवंशी के खिलाफ बॉडी लाइन बॉलिंग पर छिड़ा विवाद

एजेंसी | नई दिल्ली

क्रिकेट जगत में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के खिलाफ कथित बॉडी-लाइन शैली की गेंदबाजी को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। गुजरात टाइटंस (जीटी) के एक मुकाबले के दौरान इस रणनीति पर पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि एक पिता होने के नाते उन्हें यह तरीका उचित नहीं लगा।

इरफान पठान ने अपने बयान में कहा कि खेल में आक्रामकता जरूरी है, लेकिन युवा खिलाड़ियों के खिलाफ अत्यधिक दबाव बनाने वाली रणनीति खेल भावना पर सवाल खड़े करती है। उनके अनुसार, गेंदबाजी की यह शैली केवल तकनीकी रूप से नहीं बल्कि मानसिक रूप से भी युवा खिलाड़ियों पर असर डाल सकती है।

▪ **बॉडी-लाइन रणनीति पर फिर शुरू हुई बहस** - मैच के दौरान गेंदबाजों द्वारा ऑफ-स्टंप के बाहर और शरीर की ओर लगातार शॉर्ट-पिच गेंदें फेंकी गईं, जिसे कुछ विशेषज्ञों ने आधुनिक बॉडी-लाइन रणनीति से जोड़ा। हालांकि क्रिकेट विश्लेषकों का एक वर्ग इसे केवल आक्रामक रणनीति का हिस्सा मानता है। दूसरी ओर, कुछ पूर्व खिलाड़ियों का कहना है कि टी20 क्रिकेट में ऐसी रणनीतियां सामान्य हो चुकी हैं और इन्हें पूरी तरह गलत नहीं कहा जा सकता।

▪ **क्रिकेट विशेषज्ञों की राय बंटी**

क्रिकेट विशेषज्ञों के बीच इस मुद्दे पर मतभेद देखने को मिल रहे हैं। कुछ का मानना है कि युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की चुनौतियों के लिए तैयार करना जरूरी है, जबकि अन्य का कहना है कि अत्यधिक आक्रामकता उनके आत्मविश्वास को प्रभावित कर सकती है। यह मामला अब सिर्फ एक मैच की रणनीति तक सीमित नहीं रहा, बल्कि खेल भावना और आधुनिक क्रिकेट की सीमाओं पर बड़ी बहस बन गया है। आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर और पूर्व खिलाड़ियों और कोचों की प्रतिक्रियाएं सामने आने की संभावना है।

अमेरिकी रक्षा मंत्री बोले- भारत तेजी से बढ़ा रहा अपनी सैन्य ताकत

दोनों देश मिलकर विकसित कर रहे नई रक्षा व आधुनिक हथियार तकनीकें

एजेंसी | नई दिल्ली

अमेरिकी रक्षा मंत्री ने भारत की बढ़ती सैन्य क्षमता और तकनीकी प्रगति की सराहना करते हुए कहा है कि भारत तेजी से अपनी रक्षा क्षमताओं का विस्तार कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत अब न केवल क्षेत्रीय सुरक्षा का महत्वपूर्ण स्तंभ बन रहा है, बल्कि उन्नत सैन्य तकनीकों के विकास में भी अहम भागीदार के रूप में उभर रहा है।

बयान के अनुसार, भारत और अमेरिका मिलकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित रक्षा प्रणाली, ड्रोन तकनीक, साइबर सुरक्षा और आधुनिक हथियार प्रणालियों पर संयुक्त रूप से काम कर रहे हैं। दोनों देशों के बीच बढ़ता सहयोग इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्थिरता और सुरक्षा बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि दोनों देशों के बीच सैन्य अभ्यासों और तकनीकी साझेदारी में लगातार वृद्धि हुई है, जिससे आपसी भरोसा और रणनीतिक तालमेल और मजबूत हुआ है। भारत को उन्होंने एक महत्वपूर्ण रक्षा साझेदार के रूप में वर्णित किया, जो भविष्य में वैश्विक सुरक्षा ढांचे में बड़ी भूमिका निभा सकता है। रक्षा उत्पादन में तकनीकी साझेदारी विशेषज्ञों का मानना है कि इस बयान से दोनों देशों के बीच पहले से मजबूत हो रही रणनीतिक साझेदारी को और गति मिलेगी। भारत जहां अपनी रक्षा उत्पादन क्षमता को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन की बढ़ती गतिविधियों के बीच भारत-अमेरिका सहयोग को वैश्विक संतुलन के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

'नागास्त्र' के बाद एंटी-ड्रोन सिस्टम बना रही भारतीय कंपनी

अब ह्यूमनॉइड रोबोट और -40C में काम करने वाली तकनीक पर फोकस, और मजबूत होगी सैन्य ताकत

▪ रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी नवाचार तेज, कंपनी ने भविष्य की युद्ध तकनीक पर बढ़ाया दायरा

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय रक्षा तकनीक क्षेत्र में काम कर रही एक स्टार्टअप कंपनी ने दावा किया है कि वह अब उन्नत एंटी-ड्रोन सिस्टम और ह्यूमनॉइड रोबोटिक्स पर काम कर रही है। कंपनी के फाउंडर के अनुसार, उनके द्वारा विकसित 'नागास्त्र' नामक स्वदेशी सिस्टम का उपयोग हाल ही में एक ऑपरेशन (जिसे उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' बताया) में किया गया था, जिसने आधुनिक युद्ध तकनीक में भारत की क्षमता को दर्शाया।

फाउंडर ने बताया कि 'नागास्त्र' एक लॉइटरिंग म्यूनिशन सिस्टम है, जिसे सटीक लक्ष्य पर हमला करने और दुश्मन ड्रोन व निगरानी तंत्र को निष्क्रिय करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसके सफल उपयोग के बाद कंपनी अब अगली पीढ़ी की तकनीकों पर काम कर रही है।

▪ **एंटी-ड्रोन सिस्टम और ह्यूमनॉइड रोबोट पर फोकस**

कंपनी अब ऐसे एंटी-ड्रोन सिस्टम विकसित कर रही है जो सीमा क्षेत्रों, सैन्य ठिकानों और संवेदनशील प्रतिष्ठानों को ड्रोन हमलों से सुरक्षित रख सकें। यह सिस्टम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित होगा और रियल-टाइम ट्रैकिंग व इंटरसेप्शन क्षमता से लैस होगा। इसके अलावा कंपनी ह्यूमनॉइड रोबोट विकसित करने की दिशा में भी आगे बढ़ रही है, जिन्हें अत्यधिक ठंडे इलाकों में -40C तापमान तक में तैनात किया जा सकेगा। इन रोबोट्स का उपयोग निगरानी, राहत कार्यों और सैन्य सपोर्ट ऑपरेशनों में किए जाने की योजना है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में रक्षा क्षेत्र में निजी कंपनियों की बढ़ती भागीदारी से स्वदेशी तकनीक को नई गति मिल रही है।

ड्रोन और काउंटर-ड्रोन तकनीक आज के आधुनिक युद्ध का अहम हिस्सा बन चुकी है, ऐसे में इस तरह के विकास रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं।

▪ **रक्षा क्षेत्र में बढ़ती निजी भागीदारी** - पिछले कुछ वर्षों में भारत में रक्षा स्टार्टअप्स और निजी कंपनियों की भूमिका तेजी से बढ़ी है। सरकार की आत्मनिर्भर भारत नीति के तहत स्वदेशी रक्षा उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है।

इससे न केवल आयात पर निर्भरता कम हो रही है, बल्कि उन्नत तकनीक में घरेलू नवाचार को भी बढ़ावा मिल रहा है। कंपनी का कहना है कि उनका लक्ष्य केवल रक्षा उपकरण बनाना नहीं, बल्कि ऐसी तकनीक विकसित करना है जो भविष्य के युद्ध और आपदा प्रबंधन दोनों क्षेत्रों में उपयोगी हो सके।

विशेषज्ञों के अनुसार, एंटी-ड्रोन और रोबोटिक्स तकनीक आने वाले वर्षों में भारत की सैन्य और सुरक्षा रणनीति का अहम हिस्सा बन सकती है। इससे सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी क्षमता बढ़ेगी और मानव जोखिम भी कम होगा।

गुरिंदरवीर सिंह को अक्षय का सलाम, कहा- 'पंजाबियां दी शान वखरी'

सोशल मीडिया पर छाया वीडियो, स्प्रिंटर की उपलब्धि पर फिल्मी दुनिया ने भी दी प्रतिक्रिया

एजेंसी | नई दिल्ली

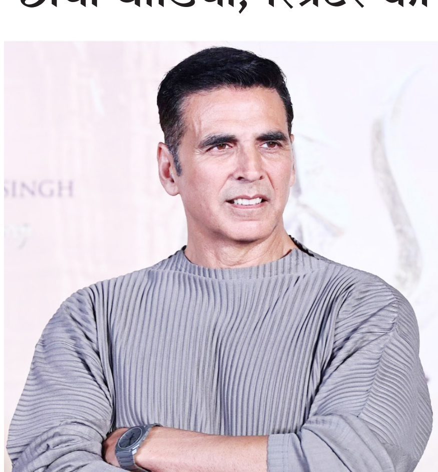

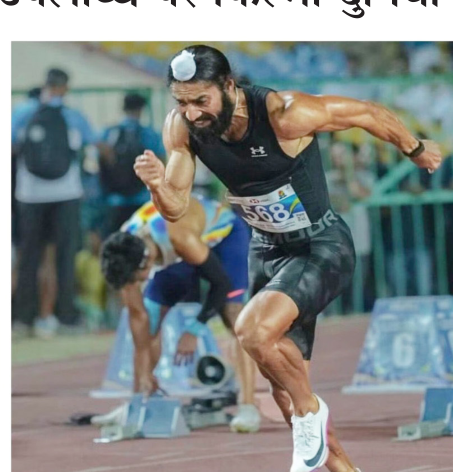

भारतीय स्प्रिंटर गुरिंदरवीर सिंह, जिन्हें उनकी तेज गति के कारण 'फास्टेस्ट मैन' कहा जाता है, एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उनके शानदार प्रदर्शन और रिकॉर्ड टाइम को लेकर सोशल मीडिया पर उनकी खूब चर्चा हो रही है। इसी बीच बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने भी उनकी उपलब्धि की सराहना करते हुए उन्हें सलाम किया है।

अक्षय कुमार ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि "पंजाबियां दी शान वखरी" और गुरिंदरवीर जैसे खिलाड़ी देश के युवाओं के लिए प्रेरणा हैं। उन्होंने कहा कि खेल के मैदान में ऐसी मेहनत और जुनून देखकर गर्व महसूस होता है।

खेल जगत में बढ़ती पहचान

गुरिंदरवीर सिंह भारतीय एथलेटिक्स में लगातार अपनी रफ्तार और प्रदर्शन से पहचान बना रहे हैं। उनकी तेज दौड़ और लगातार सुधार करते प्रदर्शन ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर खास पहचान दिलाई है। खेल विशेषज्ञों का मानना है कि उनकी तकनीक और फिटनेस उन्हें भविष्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बड़ी सफलता दिला सकती है।

सोशल मीडिया पर बढ़ा उत्साह

अक्षय कुमार की पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर गुरिंदरवीर सिंह को लेकर बधाइयों और शुभकामनाओं की बाढ़ आ गई है। खेल प्रेमियों का कहना है कि इस तरह की सराहना खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाती है और उन्हें और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करती है।

आगे की उम्मीदें

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि गुरिंदरवीर सिंह इसी तरह अपने प्रदर्शन को बनाए रखते हैं, तो आने वाले समय में वे भारत का प्रतिनिधित्व अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में कर सकते हैं और देश के लिए और भी गौरव हासिल कर सकते हैं।

14 साल के श्रेय ने जीती स्पेलिंग बी प्रतियोगिता

90 सेकंड में 32 शब्द सही लिखकर रचा इतिहास

एजेंसी | वॉशिंगटन डीसी

भारतीय मूल के 14 वर्षीय छात्र श्रेय ने अंतरराष्ट्रीय स्पेलिंग बी प्रतियोगिता जीतकर एक बार फिर भारतवंशी छात्रों की प्रतिभा का परचम लहराया है। प्रतियोगिता के फाइनल राउंड में श्रेय ने मात्र 90 सेकंड में 32 कठिन अंग्रेजी शब्दों की सही स्पेलिंग लिखकर निर्णायकों को प्रभावित किया।

प्रतियोगिता में उनका प्रदर्शन शुरुआत से ही मजबूत रहा। कठिन और कम प्रचलित शब्दों को भी उन्होंने आत्मविश्वास के साथ सही ढंग से लिखा। अंतिम राउंड में उनकी गति और सटीकता ने उन्हें अन्य प्रतिभागियों से आगे कर दिया। यह भी उल्लेखनीय है कि यह लगातार पांचवां वर्ष है जब इस प्रतिष्ठित स्पेलिंग बी प्रतियोगिता का खिताब भारतीय मूल के किसी छात्र ने जीता है। इससे पहले भी विभिन्न देशों में बसे भारतीय मूल के छात्रों ने इस प्रतियोगिता में शीर्ष स्थान हासिल कर भारतवंशी समुदाय की शैक्षणिक उत्कृष्टता को दर्शाया है।

नियमित अभ्यास बना मददगार

शिक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, यह सफलता केवल प्रतिभा ही नहीं बल्कि निरंतर अभ्यास, भाषा पर मजबूत पकड़ और मानसिक एकाग्रता का परिणाम है। श्रेय की उपलब्धि ने एक बार फिर साबित किया है कि भारतीय मूल के छात्र वैश्विक शिक्षा मंचों पर लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं।

14 साल में इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने वाला खिलाड़ी, गुमनामी में हुआ करियर का अंत

पाकिस्तान कनेक्शन को लेकर फिर चर्चा में आया पुराना क्रिकेट किस्सा

एजेंसी | नई दिल्ली

क्रिकेट इतिहास में कई ऐसे खिलाड़ी रहे हैं जिन्होंने बेहद कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कदम रखा, लेकिन समय के साथ उनका करियर अपेक्षित ऊंचाइयों तक नहीं पहुंच सका। ऐसा ही एक मामला एक खिलाड़ी से जुड़ा बताया जाता है, जिसने मात्र 14 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू कर सबको चौंका दिया था, लेकिन कुछ वर्षों बाद ही वह क्रिकेट से लगभग गुमनामी में चला गया।

रिपोर्ट्स के अनुसार, इस खिलाड़ी की शुरुआती पहचान तेज प्रतिभा के रूप में हुई थी और उन्हें भविष्य का बड़ा सितारा माना जा रहा था। लेकिन लगातार प्रदर्शन में गिरावट, चोटों और टीम चयन में बदलाव के कारण उनका करियर स्थिर नहीं रह सका।

पाकिस्तान कनेक्शन की चर्चा

इस खिलाड़ी को लेकर एक बार फिर सोशल मीडिया और क्रिकेट चर्चाओं में पाकिस्तान कनेक्शन की बात सामने आई है। हालांकि इस संबंध में अलग-अलग दावे किए जाते रहे हैं और आधिकारिक स्तर पर कई बातों की स्पष्ट पुष्टि नहीं हो पाई है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे मामलों में अक्सर अफवाहें और अधूरी जानकारी भी फैल जाती है।

करियर क्यों नहीं टिक पाया?

क्रिकेट विश्लेषकों का कहना है कि इतनी कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचना मानसिक और शारीरिक दबाव को बढ़ा देता है। कई बार खिलाड़ी उस स्तर की निरंतरता बनाए नहीं रख पाते, जिससे उनका करियर प्रभावित होता है। इसके अलावा, आधुनिक क्रिकेट में प्रतिस्पर्धा बेहद कड़ी हो गई है, जहां लगातार प्रदर्शन और फिटनेस सबसे महत्वपूर्ण मापदंड बन चुके हैं।

शोध

विशेषज्ञों ने बताया- इन शुरुआती लक्षणों को न करें नजरअंदाज

किडनी 95% तक खराब होने पर भी नहीं देती स्पष्ट संकेत

▪ साइलेंट डैमेज्र बनकर बढ़ती है किडनी की बीमारी, समय पर पहचान ही बचाव

एजेंसी | नई दिल्ली

किडनी रोग अक्सर बिना स्पष्ट लक्षणों के बढ़ता है, जिससे अंतिम चरण में ही स्थिति गंभीर रूप से सामने आती है।

चिकित्सकीय विशेषज्ञों के अनुसार किडनी से जुड़ी बीमारियां कई बार तब तक स्पष्ट संकेत नहीं देतीं, जब तक कि लगभग 90 से 95 प्रतिशत तक कार्यक्षमता प्रभावित न हो जाए।

यही कारण है कि इसे "साइलेंट किलर" भी कहा जाता है। शुरुआती चरण में लक्षण इतने सामान्य होते हैं कि लोग अक्सर उन्हें नजरअंदाज कर देते हैं।

क्यों नहीं दिखते शुरुआती संकेत?

किडनी शरीर से विषैले तत्वों को फिल्टर करने का काम करती है। जब तक एक किडनी आंशिक रूप से भी काम करती रहती है, तब तक शरीर संतुलन बनाए रखता है। इसी वजह से शुरुआती नुकसान का पता नहीं चल पाता और बीमारी धीरे-धीरे बढ़ती रहती है।

जोखिम किन लोगों को ज्यादा?

विशेषज्ञों का कहना है कि डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, मोटापा और पारिवारिक इतिहास वाले लोगों में किडनी रोग का खतरा अधिक होता है। ऐसे लोगों को नियमित जांच करानी चाहिए, भले ही कोई लक्षण न हो।

समय पर पहचान है बड़ा बचाव

चिकित्सकों के अनुसार यदि किडनी की बीमारी शुरुआती चरण में पकड़ ली जाए तो इसे नियंत्रित किया जा सकता है। लेकिन देर होने पर डायलिसिस या ट्रांसप्लांट तक की नौबत आ सकती है।

किडनी रोग धीरे-धीरे बढ़ने वाली गंभीर समस्या है, जो अक्सर बिना संकेत दिए शरीर को नुकसान पहुंचाती रहती है। जागरूकता, नियमित जांच और स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर इस बीमारी के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

लुधियाना की छात्राओं ने बाहरवीं कक्षा में मारी बाजी... दूसरे स्थान पर सुहानी तो तीसरे स्थान पर दिव्यांशी ने अपने स्कूल और शहर का नाम रोशन किया

दुनिया में ऐसा कोई काम नहीं जो इंसान नहीं कर सकता : सुहानी

पूरे पंजाब में बारहवीं कक्षा के परिणामों में दूसरा स्थान हासिल करने वाली बीसीएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल, फोकल प्वाइंट की छात्रा सुहानी को डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन और सीनियर डिप्टी मेयर राकेश पराशर ने सम्मानित किया। सुहानी ने अपनी सफलता का श्रेय शिक्षकों, माता-पिता और नियमित अध्ययन को देते हुए खुशी व्यक्त की।

मेरी सफलता का श्रेय शिक्षकों, माता-पिता को जाता है : दिव्यांशी

पूरे पंजाब में बारहवीं कक्षा के परिणामों में तीसरा स्थान प्राप्त करने वाली तेजा सिंह स्वतंत्र मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, शिमलापुरी की छात्रा दिव्यांशी को डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन और सीनियर डिप्टी मेयर राकेश पराशर ने सम्मानित किया। दिव्यांशी ने अपनी सफलता का श्रेय शिक्षकों और माता-पिता के सहयोग को देते हुए इस सम्मान को यादगार पल बताया।

'होनहार लुधियाना' सम्मान समारोह... मेधावी स्टूडेंट्स को डीसी ने सम्मानित किया

अर्शदीप सिंह भट्टी | लुधियाना
समर न्यूज

समर न्यूज चैनल और समर एक्सप्रेस न्यूज पेपर द्वारा जीएनए यूनिवर्सिटी, फगवाड़ा तथा विजिन ग्रुप के सहयोग से 'होनहार लुधियाना' सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह का उद्देश्य पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड (पीएसईबी), सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनकी उपलब्धियों को प्रोत्साहित करना था।

समारोह के दौरान लुधियाना जिले में 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। वहीं पंजाब स्तर पर दूसरा स्थान प्राप्त करने वाली बीसीएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल, फोकल प्वाइंट की छात्रा सुहानी तथा तीसरा स्थान हासिल करने वाली तेजा सिंह स्वतंत्र मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल की छात्रा दिव्यांशी को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। दोनों छात्राओं को लुधियाना के डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन और सीनियर डिप्टी मेयर राकेश पराशर ने सम्मानित किया।

इस कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि शहर के 24 से अधिक शिक्षण संस्थानों ने एक मंच पर भाग लिया। विद्यार्थियों की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले स्कूलों के प्रिंसिपलों को भी सम्मानित किया गया। समारोह में स्कूल ऑफ एमिनेंस, सेक्टर-32 चंडीगढ़ रोड; एसएसएन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, टिब्बा रोड; एसडीपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल; इंटरनेशनल पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल; दृष्टि डॉ. आर.सी. जैन इनोवेटिव पब्लिक स्कूल; ओरिएंट कॉन्वेंट स्कूल; तेजा सिंह स्वतंत्र मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल; दयाल पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल; बीवीएम स्कूल; आरके पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल; स्प्रिंग डेल पब्लिक स्कूल; पुलिस डीएवी पब्लिक स्कूल; सेक्रेड हार्ट कॉन्वेंट स्कूल की विभिन्न शाखाएं; शैमरॉक क्रिश्चियन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, हंबड़ां; बीसीएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल, फोकल प्वाइंट तथा शालीमार मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सहित अनेक विद्यालयों ने भाग लिया। इस अवसर पर करीब 300 विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों ने शिरकत की।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने विद्यार्थियों को निरंतर मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। आयोजकों ने कहा कि ऐसे सम्मान समारोह विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करते हैं। समारोह का समापन सभी मेधावी विद्यार्थियों, शिक्षकों और स्कूल प्रबंधन को शुभकामनाएं देते हुए किया गया। इस अवसर पर लुधियाना के डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन ने विद्यार्थियों को करियर में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि निरंतर मेहनत और प्रयास से सफलता अवश्य मिलती है।

8वीं कक्षा में सबसे कम नंबर मेरे थे : डीसी

लुधियाना के डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन ने विद्यार्थियों और युवाओं के बीच अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा किए और मेहनत, धैर्य तथा निरंतर प्रयास की अहमियत पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि वे भी कभी पिछले बेंच पर बैठने वाले विद्यार्थी थे और आठवीं कक्षा में उनके नंबर सबसे कम थे। उनके पिता एक दुकान चलाते थे और उनका भी वही काम करना था, जो उन्हें पसंद नहीं था। उन्होंने अलग कार्य करने की इच्छा व्यक्त की और आठवीं कक्षा के बाद पढ़ाई में उनकी रुचि बढ़ी। दसवीं कक्षा में अच्छे नंबर आए और इसके बाद उन्होंने इंजीनियरिंग की तैयारी के लिए दो साल कोचिंग ली। हिमांशु जैन ने कहा कि यूपीएससी की तैयारी के दौरान पहले और दूसरे प्रयास में वे असफल रहे और काफी हतोत्साहित हुए। उन्हें सुझाव भी दिया गया कि उनकी अच्छी इंजीनियरिंग की नौकरी और विदेश में अनुभव है, इसलिए यूपीएससी छोड़ दें। लेकिन उन्होंने हार मानने की बजाय तीसरी बार यूपीएससी की परीक्षा दी और सफल हुए। डिप्टी कमिश्नर ने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा, "यदि क्रिकेट मैच में चौका या छक्का लगाने की इच्छा हो और कई बार बॉल छूट जाए, तो इसका मतलब यह नहीं कि आप हार गए। जब आप निरंतर प्रयास करते हैं और मौके का इंतजार करते हैं, तो सफलता एक दिन अवश्य आपके कदम चूमती है।"

सम्मानित केवल सिंह ढिल्लों मेहनती, ईमानदार व अनुभवी नेता, अनुभव का भाजपा को मिलेगा लाभः रजनीश धीमान

केवल ढिल्लों को पंजाब भाजपा का अध्यक्ष बनाए जाने पर भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर

नव नियुक्त प्रधान केवल ढिल्लों को गुलदस्ता भेंट कर मुलाकात करते धीमान।

दलजीत विक्की | लुधियाना
समर न्यूज

पंजाब भाजपा के नए प्रदेश अध्यक्ष के रूप में केवल सिंह ढिल्लों की नियुक्ति पर भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष रजनीश धीमान ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ लड्डू बांटकर खुशी मनाई।

भाजपा जिला अध्यक्ष धीमान आज चंडीगढ़ में भाजपा कार्यालय पहुंचे और नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों का मुंह मीठा करवाकर बधाई दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सरदार केवल सिंह ढिल्लों के नेतृत्व में पंजाब भाजपा और अधिक मजबूत होगी तथा पार्टी को जमीनी स्तर पर नई ऊर्जा मिलेगी।

रजनीश धीमान ने कहा कि केवल सिंह ढिल्लों एक मेहनती, ईमानदार और अनुभवी नेता हैं, जिन्होंने हमेशा पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया है। उनके नेतृत्व में पंजाब में भाजपा संगठन को मजबूती मिलेगी और पार्टी आगामी चुनावों में बेहतर प्रदर्शन करेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की जनकल्याणकारी नीतियों और प्रदेश नेतृत्व के मार्गदर्शन में भाजपा लगातार लोगों का विश्वास जीत रही है।

इस मौके पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया और पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।इस मौके पर भाजपा जिला महामंत्री सरदार नरेंद्र सिंह मल्ली मौजूद थे।

पंजाब में भाजपा का बड़ा दांव... जट्ट सिख कार्ड से 2027 फतेह की तैयारी

दलजीत विक्की | लुधियाना
समर न्यूज

पंजाब भाजपा की राजनीति में बड़ा बदलाव करते हुए पार्टी हाईकमान ने सिख जाट चेहरे केवल सिंह ढिल्लों को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर साफ संकेत दे दिया है कि भाजपा अब 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर आक्रामक रणनीति के साथ मैदान में उतर चुकी है। किसान आंदोलन के बाद गांवों में भाजपा के खिलाफ बने माहौल, अकाली दल की कमजोर होती पकड़ और कांग्रेस-आप की आपसी लड़ाई के बीच भाजपा ने यह बड़ा राजनीतिक दांव खेला है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि भाजपा ने 2022 विधानसभा चुनाव और 2024 लोकसभा चुनाव के आंकड़ों का गहन विश्लेषण करने के बाद ही केवल सिंह ढिल्लों पर भरोसा जताया है। पार्टी को यह एहसास हो चुका था कि पंजाब में केवल शहरी हिंदू वोट बैंक के भरोसे सत्ता तक पहुंचना आसान नहीं होगा। ऐसे में भाजपा को ऐसे चेहरे की जरूरत थी जो गांवों में स्वीकार्य हो, सिख समाज में संवाद बना सके और पार्टी की शहरी छवि को तोड़ सके।

▪ गांवों में बनी दूरी कम करने की कोशिश...

भाजपा को सबसे ज्यादा नुकसान किसान आंदोलन के दौरान उठाना पड़ा था। 2022 विधानसभा चुनाव में इसका असर साफ दिखाई दिया। भाजपा शहरी सीटों तक सीमित नजर आई, जबकि ग्रामीण इलाकों में पार्टी की पकड़ कमजोर रही। इसी पृष्ठभूमि में भाजपा ने जट्ट सिख समुदाय से आने वाले केवल सिंह ढिल्लों को आगे कर बड़ा संदेश देने की कोशिश की है। मालवा बेल्ट में प्रभाव रखने वाले ढिल्लों को भाजपा गांवों में पार्टी का नया चेहरा बनाकर पेश करना चाहती है।

लोकसभा चुनाव में भाजपा ने कई सीटों पर अपनी मौजूदगी दर्ज जरूर करवाई, लेकिन ग्रामीण और सिख बहुल इलाकों में पार्टी की सीमाएं भी उजागर हो गईं। पार्टी नेतृत्व को यह समझ आ गया कि पंजाब में मजबूत राजनीतिक जमीन तैयार करने के लिए स्थानीय व सिख नेतृत्व जरूरी है।